आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 223 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 04 अगस्त, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

सागर में दीवार गिरने से 8 बच्चों की दर्दनाक मौत

मध्य प्रदेश/सागर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सागर जिले में आज दर्दनाक हादसा हुआ है। जिले के शाहपुर में दीवार गिरने से आठ बच्चों की मौत हो गई है। छोटे बच्चों की मौत के बाद से पूरा क्षेत्र गम में डूब गया है।

दरअसल, शाहपुर में हरदौल मंदिर में शिवलिंग निर्माण एवं भागवत कथा का आयोजन चल रहा है। सावन के महीने में मंदिर में सुबह से शिवलिंग बनाने का काम चल रहा था। शिवलिंग बनाने के लिए आठ से 14 साल के बच्चे भी पहुंचे थे। बच्चे जब शिवलिंग बना रहे थे, तभी मंदिर परिसर के बगल वाली कच्ची दीवार भराभराकर गिर गई। दीवार करीब पचास साल पुरानी थी।

जानकारी के मुताबितक ये घटना रहली विधानसभा के सानौधा थाना क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि शाहपुर के हरदौल मंदिर में शिवलिंग निर्माण और भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। जहां सुबह करीब 10 बजे पार्थिव शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम चल रहा था। आज की छुट्टी होने के चलते शिवलिंग बनाने के लिए बच्चे भी पहुंचे थे। जिस जगह बच्चे बैठकर शिवलिंग बना रहे थे, मंदिर परिसर के बाजू वाली दीवार भरभराकर गिर गई। जिसमे कुछ बच्चे दब गए। जेसीबी से मलबा हटाकर शव और घायल बच्चों को बाहर निकाला गया। दीवार करीब 50 साल पुरानी बताई जा रही है। इस हादसे की जानकारी लगने पर रहली विधानसभा से विधायक और पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव भी शाहपुर पहुंचे। साथ ही मौके पर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी पहुंचे हैं। सभी मृत बच्चो के शव को सागर जिला अस्पताल लाया गया है।

इन मासूमों की गई जान

इस पूरे हादसे में दिव्यांश साहू पुत्र नितेश साहू, वंश लोधी पुत्र यशवंत लोधी, नीतेश पटेल पुत्र कमलेश पटेल, ध्रुव यादव पुत्र जगदीश यादव, पर्व विश्वकर्मा पुत्र कृष्ण विश्वकर्मा, दिव्यराज साहू पुत्र गोविंद साहू, सुमित प्रजापति पुत्र महेश प्रजापति, खुशी पटवा पुत्री अमित पटवा की जान चली गई है।

भारतीय सेना ने संभाला मोर्चा, केदारनाथ से लिनचोली के लिए 373 यात्री रवाना

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। केदारघाटी में आई आपदा के बाद से केदारनाथ धाम और पैदल मार्ग व पड़ावों पर फंसे तीर्थयात्रियों को हेली में रेस्क्यू करने में मौसम बाधा बन रहा है। यही वजह है कि चार दिन बाद एक भी सभी को नहीं निकाला जा सका।

केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर फंसे हुए यात्रियों को सुरक्षित रेस्क्यू करने के लिए शासन प्रशासन लगातार मुस्तैदी से कार्य कर रहा है। रेस्क्यू कार्यों में तेजी लाने के लिए अब सेना की भी मदद ली जा रही है। जनपद में तैनात 6 ग्रेनेडियर यूनिट कर्नल हितेश वशिष्ठ के नेतृत्व में सेना रास्तों को पुनर्स्थापित करने और पुल बनाने के अलावा सर्च ऑपरेशंस में मदद करेगी। प्राथमिकता के आधार पर पहले सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच वाश आउट हुए मार्ग पर पैदल पुल बनाया जा रहा है। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार, पुलिस अधीक्षक डॉ विशाखा अशोक भदाणे इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

सेना ने दो स्निफर डॉग यात्रा मार्ग के लिए रवाना कर दिए हैं। हेलीकॉप्टर के माध्यम से इन्हें लिनचोली उतारा जा चुका है। जहां से पूरे क्षेत्र में सर्च अभियान शुरू किया जाएगा। बता दें कि कई लोग बारिश के डर से अपनी जान बचाने के लिए जंगलों की तरफ बढ़े हैं। वहीं कई लोगों के रास्ता भटकने की संभावना भी जताई जा रही है, उन्हें भी सर्च किया जाएगा।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर फंसे हुए यात्रियों को लगातार प्रयास किया जा रहा है। सीईओ बीकेटीसी योगेंद्र सिंह ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन के चौथे दिन रविवार को केदारनाथ धाम में फंसे हुए यात्रियों 373 यात्रियों, स्थानीय लोगों एवं मजदूरों को एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं अन्य सुरक्षा बलों की मदद से लिनचोली तक पहुंचाने के लिए रवाना कर दिया गया है।

1000 को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

इससे पहले मौसम अनुकूल न होने के कारण शनिवार को वायुसेना के मालवाहक हेलीकाप्टर चिनूक और एमआइ 17 उड़ान नहीं भर पाए। छोटे हेलीकाप्टरों से भीमबली, चीरवासा में और लिनचोली में फंसे तीर्थयात्रियों में से 1000 को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और मंदिर समिति की टीमों ने 600 लोगों को केदारनाथ गधाम के दुरुह वैकल्पिक मार्गों से सुरिक्षत निकाला, 400 अन्य को हेलीकाप्टरों से निकाला गया।

अभी तक 9,099 तीर्थयात्रियों और स्थानीय लोगों को निकाला जा चुका है, लगभग 1000 तीर्थयात्री जगह-जगह अब भी फंसे हुए हैं। रुद्रप्रयाग न की पुलिस अधीक्षक डा विशाखा न अशोक भदाणे के अनुसार रेस्क्यू किए गए तीर्थयात्रियों में काफी संख्या में वह भी शामिल हैं, जिनका अभी तक स्वजन से संपर्क नहीं हो पा रहा था। आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन के अनुसार बचाव एवं गृहत कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं।

केदारनाथ धाम में फंसे 700 लोग

शनिवार को दोपहर तक धुंध की वजह से छोटे हेलीकाप्टर भी उड़ान नहीं भर पाए, इसके बाद भीमबली और लिनचोली में फंसे लोगों का रेस्क्यू शुरू हो पाया। केदारनाथ धाम से किसी को हेली रेस्क्यू नहीं किया जा सका। यहां लगभग 700 लोग फंसे हैं। दोपहर बाद चीरबासा स्थित हेलीपैड को भी उड़ान के लिए तैयार कर लिया गया। भूस्खलन के बाद इसमें बड़े पत्थर और मलबा आ गया था।

पानी के 10 बड़े बकायदाओं पर प्राधिकरण ने किया नोटिस चस्पा

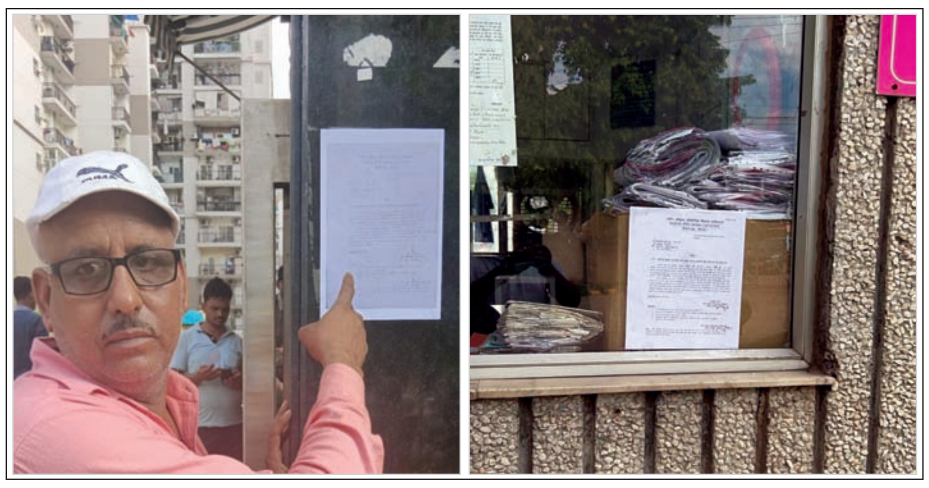

नोएडा (चेतना मंच)। पानी का बिल जमा नहीं करने वाली कंपनियों के खिलाफ नोएडा प्राधिकरण के जल सीवर विभाग ने शनिवार से कार्रवाई शुरू कर दी है। 10 बड़े बकायेदारों को सूचीबद्ध कर उनकी संपत्तियों पर नोटिस चस्पा किया गया है। यह कार्रवाई नोएडा प्राधिकरण सीईओ डा लोकेश एम के आदेश पर हुई है। 31 जुलाई को कार्यालय पर सीईओ ने बैठक कर संबंधित अधिकारियों को बकाया वसूलने के लिए कार्रवाई करने के लिए कहा थाा। यदि पैसा जमा नहीं किया जाता तो लीज डीड की शर्त उल्लंघन के अनुसार कार्रवाई को अंजाम दिया जाए। इसी के तहत शनिवार को बड़े बकायेदारों के यहां पर नोटिस

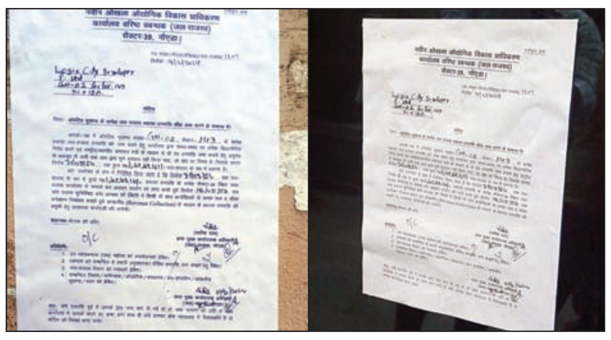

चस्पा किया गया। जल सीवर विभाग महाप्रबंधक आरपी सिंह ने बताया कि इसमें पराग डेरी बी-219 फेज-2, एसडीएस इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड, लाजिक्स सिटी डेवलपर प्रावइेट लिमिटेड, गावर्मेट एवं पब्लिक सेक्टर ईएमपी सीओ-ओपी, लाजिक्स इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड, जेएम हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड, सेठी बिलर्ग्स प्राइवेट लिमिटेड के संचालित कार्यालयों में नोटिस चस्पा किया गया। जबकि पराग डेरी बी-219 फेज-2 व लाजिक्स इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड का जल संयोजन विच्छेदित कर दिया गया।

ग्रेटर नोएडा के 40 हजार फ्लैट खरीदारों की जल्द हो सकेगी घर की रजिस्ट्री

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। निर्माणाधीन परियोजनाओं पर बकाए के कारण अधर में अटकी हजारों घर खरीदारों की घर की रजिस्ट्री अब जल्द हो सकेगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ऐसी बिल्डर परियोजनाओं के खरीदारों के लिए छह महीने के लिए रजिस्ट्री के विलंब शुल्क पर छूट दे दी है।

अगले वर्ष मार्च तक का समय उन्हें दिया गया है। प्राधिकरण के मुताबिक 48 परियोजनाओं के करीब 40 हजार खरीदारों को इससे राहत मिलेगी। जून में हुई प्राधिकरण की 135वीं बोर्ड बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव रखा गया था, जिसे बोर्ड ने स्वीकृति दे दी है। प्राधिकरण के मुताबिक फ्लैट का पजेशन मिलने की तिथि से एक वर्ष के भीतर रजिस्ट्री करानी होती है। तय समय पर रजिस्ट्री न कराने पर 100 वर्गमीटर से कम क्षेत्र के फ्लैट पर 50 रुपये और 100 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र के घर पर 100 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से विलंब शुल्क लगता है।

प्राधिकरण क्षेत्र में करीब 98 बिल्डर परियोजनाओं पर लगभग 8,500 करोड़ रुपये का बकाया होने के कारण घर खरीदारों की रजिस्ट्री नहीं हो रही थी, जिस कारण उन पर विलंब शुल्क लग गया। प्रतिदिन के हिसाब से लगने वाले शुल्क काफी हो जाने से घर खरीदारों ने रजिस्ट्री नहीं कराई। कुछ महीने पहले अमिताभ कांत समिति की सिफारिश लागू होने के बाद बकायेदार बिल्डरों को 25 प्रतिशत बकाया का भुगतान देने पर रजिस्ट्री की प्रक्रिया शुरू करने की पहल की गई थी। इसके बाद 48 बिल्डरों ने कुल बकाया का 25 प्रतिशत जमा कर दिया, जिससे रजिस्ट्री का रास्ता साफ हो गया।

अब प्राधिकरण ने इन परियोजनाओं के खरीदारों को रजिस्ट्री पर लगे विलंब शुल्क पर छह महीने की छूट दे दी है। 22 जुलाई को इसका कार्यालय आदेश जारी हुआ था, ऐसे में खरीदारों को अगले वर्ष मार्च तक का समय मिला है।

पूर्व पीएम देवेगौड़ा ने दिल्ली मेट्रो की सवारी की, प्रधानमंत्री संग्रहालय का भी किया दौरा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल सेक्युलर पार्टी के अध्यक्ष एचडी देवेगौड़ा रविवार को दिल्ली मेट्रो में यात्रा की। इस दौरान पूर्व पीएम के साथ मेट्रो के आला अधिकारी मौजूद रहे। इससे पहले जेडीएस प्रमुख ने शनिवार को प्रधानमंत्री संग्रहालय का दौरा किया। पूर्व प्रधानमंत्री ने संग्रहालय की सराहना की। देवेगौड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री संग्रहालय का दौरा करना एक अभिभूत करने वाला और विनम्र अनुभव था।

ग्रेटर नोएडा के लडपुरा गांव के शिव भक्तों द्वारा हरिद्वार से डाक कावड़ लाने पर ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। शिव भक्तों की यह टोली हर वर्ष हरिद्वार से डाक कावड़ लाकर गांव के मंदिर में जलाभिषेक करती है।

एक्का लाइन पर लगेगा एडवांस पैसेंजर इंफॉर्मेशन डिस्प्ले सिस्टम

नोएडा। नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन मुसाफिरों का सफर आसान बनाने के लिए अब एक्का लाइन पर एडवांस पैसेंजर इंफॉर्मेशन डिस्प्ले सिस्टम (पीआईडीएस) लगाएगा। यह सिस्टम लाइन के सभी 21 मेट्रो स्टेशन पर संचालित किया जाएगा। इसके लिए एनएमआरसी प्रबंधन ने रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (पीआईडीएस) जारी किया है। लो कॉस्ट कंपनी का चयन किया जाएगा। परियोजना में 11.27 करोड़ रुपये खर्च कर कुल 88 पीआईडीएस सिस्टम स्टेशनों पर इंस्टाल होंगे। कार्य में 10 माह का समय लगेगा।

नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन एमडी डॉ. लोकेश एम ने बताया कि सभी स्टेशनों की अलग-अलग लोकेशन पर इनको लगाया जाएगा, ताकि मुसाफिर आसानी से इनको देख सके और मेट्रो की जानकारी प्राप्त कर सके। इसके लिए 21 मेट्रो स्टेशन के कॉनकोर्स में कुल 42 पीआईडीएस इंस्टॉल किए जाएंगे। इसके अलावा आने जाने दोनों प्लेटफार्म पर 2-2 सिस्टम लगाए जाएंगे। जिस कंपनी को काम सौंपा जाएगा, जो सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग व कमीशनिंग का काम करेगी।

टेंडर शर्त अनुसार उसे 24 माह तक सभी डिवाइस का रखरखाव का काम भी करना होगा। सभी पीआईडीएस डिस्प्ले बोर्ड ट्रू कलर एलईडी बेस्ड होंगे। इसके अलावा इनको कंट्रोल करने के लिए एक कामन वर्क स्टेशन भी विकसित किया जाएगा। आधुनिक पीआइडीएस सिस्टम के इंस्टालेशन से इस रूट पर प्रतिदिन यात्रा करने वाले यात्रियों तक जानकारियां पहुंचने में एनएमआरसी को मदद मिलेगी।

यह होगा फायदा

- सिस्टम की मदद से प्लेटफार्म आने वाली मेट्रो की जानकारी मिलेगी।
- कितने समय में प्लेटफार्म पर और किस अंतराल पर आएगी मेट्रो जानकारी मिलेगी
- समय से लेकर मौसम की जानकारी अपडेट करेगा।
- किसी प्रकार की अनहोनी होने पर इसे सीधे कंट्रोल रूम से जोड़ा जा सकेगा।
- अनाउंसमेंट संबंधित जानकारी भी इस पर फ्लैश की जा सकेगी।

इन स्टेशनों पर लगेंगे पीआईडीएस सिस्टम

एक्का लाइन के 21 मेट्रो स्टेशन शामिल हैं। यह स्टेशन नोएडा सेक्टर-51 से शुरू होकर ग्रेटर नोएडा में डिपो स्टेशन तक है। सेक्टर 51 मेट्रो स्टेशन के अप व डाउन प्लेटफार्म पर 2-2 यानि कुल 4 पीआइडीएस इंस्टाल होंगे। सेक्टर-50, सेक्टर-76, सेक्टर-81, सेक्टर-101, एनएसईजेड, सेक्टर-83, सेक्टर-137, सेक्टर-142, सेक्टर-143, सेक्टर-144, सेक्टर-145, सेक्टर-146, सेक्टर-147, सेक्टर-148, केपी-2, परी चौक, अल्फा-1, डेल्टा-1 तथा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण स्टेशन के अप व डाउन प्लेटफार्म पर 2-2 यानि कुल 4 पीआइडीएस इंस्टाल होंगे। डिपो स्टेशन पर अप व डाउन प्लेटफार्म पर 2-2 पीआइडीएस के अतिरिक्त तीसरे प्लेटफार्म पर भी 2 पीआइडीएस इंस्टाल होंगे।

आरक्षण में कोटा

अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के आरक्षण में ही आरक्षण के उप-वर्गीकरण पर 7 न्यायाधीशों की संविधान पीठ का फैसला सामाजिक न्याय के लिए 'मील का पत्थर' साबित हो सकता है। मंडल के बाद यह दूसरा ऐतिहासिक फैसला है। 'मील का पत्थर' तभी साबित हो सकता है, जब क्रीमीलेयर वाला फैसला लागू किया जाएगा। आरक्षण में उप-वर्गीकरण का अधिकार राज्य सरकारों को दिया गया है। यह अभी तक राष्ट्रपति के पास ही सुरक्षित था। संसद में ही प्रस्ताव पारित कर, किसी भी जाति को, आरक्षण के दायरे में लाया जा सकता था अथवा जाति को आरक्षण से बाहर भी किया जा सकता था। बहरहाल वह अधिकार यथावत रहेगा, लेकिन एससी और एसटी अपने आरक्षण के कोटे में, दबी-कुचली, पिछड़ी, विपन्न जातियों का, उप-वर्गीकरण कर सकेंगे। फिलहाल दलित और आदिवासियों को शिक्षा और नौकरियों में क्रमशः 15 फीसदी और 7.5 फीसदी आरक्षण हासिल है। संविधान पीठ के दो कथन महत्वपूर्ण हैं। एक, एससी-एसटी के कोटे में कुछ जातियों का उप-वर्गीकरण करने से संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 341 का उल्लंघन नहीं होता। समानता का सिद्धांत यथावत रहेगा। दूसरे, आरक्षण एक पीढ़ी तक सीमित कर देना चाहिए। यदि पहली पीढ़ी आरक्षण का लाभ लेकर उच्च स्थिति तक पहुंच गई है, तो दूसरी पीढ़ी को आरक्षण का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। जस्टिस बीआर गवई ने एससी-एसटी पर भी, ओबीसी की तरह, 'क्रीमीलेयर' लागू करने की बात कही है। यह विवादास्पद मुद्दा बन सकता है। आरक्षण के आधार पर जो दशकों से राजनीति करते आ रहे हैं अथवा आरक्षण के कारण ही राजस्थान की एक खास जाति में पीढ़ी-दर-पीढ़ी आईएएस अफसर बनते रहे हैं, वे अपने हिस्से को बंटने क्यों देंगे? संविधान-निर्माता बाबा अंबेडकर के पौत्र प्रकाश अंबेडकर ने संविधान पीठ के फैसले की आलोचना की है और इसे 'सामाजिक पूर्वाग्रह' करार दिया है। उनकी आशंका है कि दलितों का कोटा कम होने लगेगा। बहरहाल संविधान पीठ ने कहा है कि सरकार को एससी-एसटी श्रेणी के बीच 'क्रीमीलेयर' की पहचान करने और उन्हें आरक्षण के दायरे से बाहर करने की नीति जरूर तैयार करनी चाहिए। यह अवधारणा भी स्पष्ट होनी चाहिए। ओबीसी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को आरक्षण उनकी सालाना आय के आधार पर तय किया जाता है। क्रीमीलेयर की सीमा 8 लाख रुपए सालाना है। यानी करीब 67,000 रुपए महीना। यह वर्ग विपन्न कैसे हो सकता है? दूसरी ओर वे भारतीय भी हैं, जो 375 रुपए रोजाना कमाने में भी असमर्थ हैं। बेहतर होता कि क्रीमीलेयर पर भी न्यायिक फैसला सुनाया जाता। बहरहाल फैसले के जोखिम भी सामने आने लगे हैं। पर्याप्त संभावना है कि एससी-एसटी अब एक समूह नहीं रह जाएगा। उनके भीतर ही अलग-अलग वर्ग खड़े हो जाएंगे और फिर उनसे जुड़ी नई राजनीति उबलने लगेगी। केंद्र सरकार में ही एनडीए की सहयोगी लोजपा (रामविलास) ने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है, ताकि एससी-एसटी वर्ग में भेदभाव न हो और वे कमजोर न पड़ें। चूंकि इसे राज्य लागू कर सकेंगे, लिहाजा यह सवाल मौजू है कि कब तक यह निर्णय लागू किया जा सकेगा। एससी-एसटी की गणना उपलब्ध है, लिहाजा जातीय जनगणना अनिवार्य नहीं है। राज्य सरकारें विशेषज्ञ-पैनल बना सकती हैं। वे शोध और डाटा के जरिए बताएंगे कि कौनसी जाति सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक तौर पर पिछड़ी है और उन्हें आरक्षण के दायरे में लाना बहुत जरूरी है। पीठ ने 2004 में 'ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र' वाले मामले में दिए गए फैसले को रद्द कर दिया है। उस फैसले में कहा गया था कि राज्य सरकार तय आरक्षण में उप-वर्गीकरण नहीं बना सकती। ताजा फैसला पंजाब का है। दरअसल पंजाब सरकार ने 2006 में कानून बनाया था कि राज्य में एससी-एसटी आरक्षण में 50 फीसदी आरक्षण, पहली प्राथमिकता के तहत, वाल्मीकि और मजहबी सिखों को मिलेगा। पंजाब उच्च न्यायालय ने 2010 में इसे रद्द कर दिया था। उसके खिलाफ पंजाब सरकार सर्वोच्च अदालत पहुंची थी। इन तमाम संदर्भों में पीठ ने अलग-अलग अनुच्छेद की व्याख्या स्पष्ट की है और राज्यों के अधीन उप-वर्गीकरण का फैसला दिया है। डाटा के आधार पर यह कोटा बदलता रहेगा। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी एक वर्ग को 100 फीसदी आरक्षण न दे दिया जाए। राज्य सरकारें मर्जी से उप-वर्गीकरण नहीं बना सकतीं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि फिर वही कथा मैंने वाराह क्षेत्र में अपने गुरुजी से सुनी, परन्तु उस समय मैं लड़कपन के कारण बहुत बेसमझ था, इससे उसको उस प्रकार (अच्छी तरह) समझा नहीं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

श्रोता बकता ग्याननिधि कथा राम कै गूढ़।
किमि समुझौं मैं जीव जड़ कलि मल ग्रसित बिमूढ़॥

श्री रामजी की गूढ़ कथा के वक्ता (कहने वाले) और श्रोता (सुनने वाले) दोनों ज्ञान के खजाने (पूरे ज्ञानी) होते हैं। मैं कलियुग के पापों से ग्रसा हुआ महामूढ़ जड़ जीव भला उसको कैसे समझ सकता था?॥

तदपि कही गुर बारहिं बारा। समुझि परी कछु मति अनुसारा॥
भाषाबद्ध करबि मैं सोई। मोरें मन प्रबोध जेहिं होई॥

तो भी गुरुजी ने जब बार-बार कथा कही, तब बुद्धि के अनुसार कुछ समझ में आई। वही अब मेरे द्वारा भाषा में रची जाएगी, जिससे मेरे मन को संतोष हो॥

जस कछु बुधि बिबेक बल मेरें। तस कहिहउँ हियँ हरि के प्रेरें॥
निज संदेह मोह भ्रम हरनी। करउँ कथा भव सरिता तरनी॥

जैसा कुछ मुझमें बुद्धि और विवेक का बल है, मैं हृदय में हरि की प्रेरणा से उसी के अनुसार कहूँगा। मैं अपने संदेह, अज्ञान और भ्रम को हरने वाली कथा रचता हूँ, जो संसार रूपी नदी के पार करने के लिए नाव है॥

(क्रमशः..)

सत्ता हो या विपक्ष, राजनीति तो स्वाभाविक है

विपक्षी कांग्रेस का आरोप है कि मोदी सरकार ने बजट को लेकर राजनीति की है। विपक्ष का आरोप है कि इस बजट में नीतीश कुमार और एन चंद्रबाबू नायडू ने अल्पमत सरकार को समर्थन देने की कीमत वसूली है। आरोप यह भी है कि सरकार बचाने के लिए बीजेपी ने बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष पैकेज दिया है, जबकि अन्य राज्यों को कुछ खास हासिल नहीं हुआ है। आरोप को बढ़ाते हुए विपक्ष यहां तक कह रहा है कि यह पूरे देश का बजट नहीं है। कांग्रेस तो यहां तक कह रही है कि मौजूदा बजट उसके चुनाव घोषणा पत्र की कॉपी है।

जहां तक बजट में राजनीति का सवाल है तो शायद ही कोई सरकार या दल होगा, जिसने अपने कार्यकाल में प्रस्तुत बजट में राजनीति ना की होगी। हर राजनीतिक दल की अपनी विचारधारा है, उसका अपना एजेंडा होता है, उसका अपना वोट बैंक होता है। बजट हो या अन्य सरकारी फैसले, हर राजनीतिक दल और सरकार अपने कदम उठाते वक्त उनका ध्यान रखती है। इसके साथ ही हर राजनीतिक दल अपने भावी और लक्षित वोट बैंक को लुभाने के लिहाज से भी फैसले लेता है। हर राजनीतिक दल की चाहत होती है कि उसका मौजूदा वोट आधार बढ़े। इस लिहाज से भी वह अपने राजनीतिक फैसले लेता है और उसकी सरकारें भी अपनी नीतियां इसी हिसाब से बनाती और बढ़ाती हैं। इस नजरिए से देखें तो अगर मोदी सरकार ने नीतीश और नायडू के राज्यों को कुछ विशेष सहूलियतें दी है तो कोई गलत नहीं है। अगर बिहार बाकी राज्यों की तुलना में पिछड़ा है, वह जनसंख्या पलायन का दंश झेलने को मजबूर है तो हर सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि उस देश के साथ कदमताल करने के लिए बिहार को अगर सहूलियत देनी पड़ी तो दे। मदद का हाथ बढ़ाना पड़े तो बढ़ाए। अगर आंध्र प्रदेश को भी मदद की दरकार हो तो मिलनी चाहिए। सिर्फ बिहार और आंध्र ही नहीं, जो राज्य पिछड़ा है, उसे आगे लाने और उसे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मदद की स्पष्ट नीति होनी चाहिए। अव्वल तो हम देश को एक इकाई के तौर पर देखने का दावा करते हैं। अपना संविधान नागरिक को देश की मूल इकाई घोषित करता है। इस लिहाज से हर नागरिक बराबर है। लेकिन आर्थिक और सामाजिक नजरिए से देखें तो हर नागरिक बराबरी की बेंच पर नहीं बैठा है। समान मतदान और कानून के सामने बराबरी के अधिकार ने एक हद तक बराबरी की इस अवधारणा को जिंदा जरूर रखा है। यह बात और है कि अक्सर अमीर और गरीब के लिए कानूनी पेच और प्रक्रियाएं, यहां तक कि न्यायिक अवधारणा भी बदल जाती है। इन बातों को छोड़ दें तो कम से कम आर्थिक आधार पर बराबरी की ओर बढ़ने की कोशिश होनी चाहिए। प्रशासनिक सहूलियत और सांस्कृतिक आधार पर हमने राज्य गठित कर लिए तो इसका यह मतलब नहीं कि उनकी असमानताओं को अनदेखी की जाए। किसे नहीं पता है कि बिहार के उत्तरी हिस्से में हर साल कोसी नदी प्रलय लेकर आती है। जिससे तकरीबन आधार बिहार नारकीय जीवन जीने के लिए मजबूर रहता है। इसी तरह समूचे देश को पता है कि तेलंगाना के अलग होने के बाद हैदराबाद आंध्र की राजधानी नहीं रहा। उसे राजधानी बनाने के लिए संसाधन चाहिए ही होंगे। इसलिए अगर बिहार और आंध्र को सहूलियतें कुछ ज्यादा मिली भी हैं तो उसे राजनीतिक चश्मे से देखने की बजाय जमीनी हकीकत के लिहाज से समझा जाना चाहिए।

वैसे यह भी अर्ध सत्य ही है कि बाकी राज्यों को बजट में कुछ नहीं मिला। जबकि इस बजट में अगर रेल परियोजनाएं हैं, अगर कृषि बजट को सवा लाख करोड़ से बढ़ाकर एक करोड़ 52 लाख करोड़ कर दिया गया है, अगर सड़क परियोजनाओं की बाढ़ लाई गई है, अगर केंद्रीय करो में राज्यों का हिस्सा बढ़ाया गया है तो इससे किसी एक ही राज्य का भला नहीं होना है, बल्कि देश के हर राज्य को भला होना है। बजट में आदिवासी लोगों के लिए बजट में वित्त मंत्री पूर्वोदय योजना लेकर आई हैं। जिसके जरिए झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और आंध्र प्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। झारखंड को एक और योजना का सीधा फायदा मिलेगा। बजट प्रस्तावों में 'प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान' योजना भी लायी गई है। आदिवासी गांवों और लोगों के विशेष विकास के लिए विशेष रूप से डिजाइन इस योजना का फायदा उन सभी राज्यों को मिलना है, जहां आदिवासी आबादी है। झारखंड में जहां 27 फीसद आबादी जनजातीय है। वहीं उसके पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में करीब 32 फीसद आबादी जनजातीय समुदाय की है। 'प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान' के दायरे में 63 हजार गांवों को लाया जाना है। जिससे सीधे तौर पर पांच करोड़ जनजातीय लोगों की जिंदगी बदलने की कोशिश की जानी है। जाहिर है कि इसका फायदा उड़ीसा, झारखंड और छत्तीसगढ़ के साथ कांग्रेस शासित तेलंगाना को भी मिलेगा, क्योंकि इन्हीं राज्यों में देश का सबसे ज्यादा जनजातीय आबादी रहती है।

कांग्रेस ने युवाओं को लुभाने के लिए तीस लाख खाली पड़े सरकारी पदों को भरने और डिप्लोमा धारक सभी बेरोजगार युवाओं को इंटर्नशिप और एक लाख रूपए सालाना देने का वादा किया था। राहुल गांधी और उनके सहयोगियों ने इस वायदे को खूब प्रचारित किया। राहुल गांधी कहा करते थे कि इस सरकार बनी और उधर खटाखट-खटाखट खाते में पैसे ट्रांसफर होने लगे थे। माना जाता है कि इससे युवाओं का एक वर्ग विपक्ष की ओर आकर्षित भी हुआ। कांग्रेस की सीटें बढ़ने में इस वायदे की भी बड़ी भूमिका मानी जा रही है। बजट में सरकार ऐसी योजना तो लेकर नहीं आई, अलबत्ता वह युवाओं के लिए इंटर्नशिप योजना लेकर आई है। जिसके तहत हर साल एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप दी जानी है, जिसके लिए उन्हें पांच हजार रूपए मासिक और एक मुश्त साल में एक बार छह हजार रूपए भी दिए जाने हैं। करीब चार करोड़ दस लाख युवाओं को कुशल बनाने की भी योजना लाई गई है। इन्हीं योजनाओं का हवाला देकर कांग्रेस सरकार पर आरोप लगा रही है कि उसके वायदे को सरकार ने कॉपी कर लिया है। इसके बहाने वह कांग्रेस पर हमलावर भी है।

चाहे सरकार को विपक्ष, सबका दावा है कि उनकी राजनीति का उद्देश्य देश के लोगों का जीवन स्तर सुधारना है। सवाल यह है कि जब सबका यही उद्देश्य है तो कल्याणकारी योजनाएं कोई भी लाए, उसे खुश होना चाहिए। कांग्रेस को तो वाकई में प्रसन्न होना चाहिए कि उसका वायदा इतना ताकतवर रहा कि उसे अपनाने के लिए उसकी कट्टर विरोधी बीजेपी की सरकार को मजबूर होना पड़ा। लेकिन हकीकत में कांग्रेस खुश नहीं है, उसे लगता है कि सरकार ने सत्ता के जरिए उसका मुद्दा लपक लिया है। कांग्रेस को डर है कि अगर इस प्रस्ताव को ईमानदारी से लागू कर दिया गया तो उसकी ओर आकर्षित हो रहे युवाओं के आकर्षण में कमी आ सकती है। जिसकी वजह से उसे सियासी नुकसान हो सकता है या भविष्य में जितने फायदे मिलने की उम्मीदें रहीं हैं, वह पूरा नहीं हो पाएगा।

सत्ता संभालने की बात हो या उसके विरोध की, सबका उद्देश्य जब राजनीति ही है तो फिर सरकारी कदमों में राजनीति ना होने की उम्मीद पालना बेमानी ही कहा जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी अगर राजनीति में हैं तो वह संत की भूमिका निभाने के लिए नहीं हैं और अगर राहुल भी राजनीति में हैं तो वह अध्यात्म की सेवा करने के लिए नहीं हैं। इसलिए बजट हो विरोध, राजनीति होगी। लिहाजा बजट को लेकर आरोप लगाना कि यह राजनीति बजट है, उसका कोई मतलब नहीं। राजनीति तो यह समझती ही है, आम वोटरों को भी यह जल्द से जल्द समझ लेना चाहिए। **- उमेश चतुर्वेदी**

लेखक वरिष्ठ राजनीतिक टिप्पणीकार हैं...

माननीय क्यों नहीं चाहते हैं नजूल भूमि कानून में बदलाव

देश का कोई भी हिस्सा या राज्य हो वहां पड़ी नजूल की जमीन की स्थिति ठीक वैसी ही होती है जैसे किसी एक बच्चे के कई बाप का होना। नजूल की जमीन (सरल शब्दों में सरकारी जमीन) को सब अपनी बपौती समझते हैं। गरीब जनता की तो इतनी हिम्मत नहीं होती है कि वह सरकारी जमीन पर कब्जा कर सके,लेकिन ताकतवर लोगों जिसमें नेताओं से लेकर बड़े-बड़े अधिकारी और बिल्डर आदि शामिल होते हैं, के लिये यह जमीन सोने का अंडा देने वाली मुर्गी साबित होती है। नजूल की जमीन पर कब्जा करने का सबसे आसान तरीका है उसे लीज पर हासिल कर लेना ,क्योंकि जमीन का कोई मालिक नहीं होता है इसलिये सरकारी कुर्सी पर बैठे अधिकारी और बाबू ही इसके 'मालिक' बन जाते हैं।वह सेटिंग के सहारे नजूल की जमीन का 'सौदा' कर देते हैं। इसी लिये जब नजूल भूमि कानून विधान सभा से पास होने के बाद मंजूरी के लिये विधान परिषद पहुंचा तो वहां करीब-करीब सभी दलों के माननीयों ने एकजुट होकर इसे 'ठंडे बस्ते' में डाल दिया। यानी माननीय नहीं चाहते हैं कि नजूल जमीन के लिये कोई ऐसा नया कानून बनें जिसके चलते नजूल की जमीन को कौ?ियों के भाव फ्री होल्ड कराने का खेल बंद हो जाये।इस कानून को लेकर सत्ता पक्ष में मनमुटाव की खबरें आने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तो योगी सरकार को चुनौती तक दे दी वह नजूल जमीन पर नया कानून बना ही नहीं सकते हैं। वैसे विरोध समाजवादी पार्टी की तरफ से भी कम नहीं हुआ था।

दरअसल, 31 जुलाई को यूपी विधानसभा में भारी हंगामे के बीच उत्तर प्रदेश नजूल संपत्ति (लोक प्रयोजनार्थ प्रबंध और उपयोग) विधेयक, 2024 पारित किया गया था। इसके बाद जब पहली अगस्त को यह विधेयक विधान परिषद में आया तो इसे प्रवर समिति को भेज दिया गया। सबसे खास बात यह रही कि इस विधेयक का समाजवादी पार्टी के नेताओं के अलावा भाजपा के कई नेताओं ने विरोध किया है। वहीं एनडीए में भाजपा की सहयोगी निषाद पार्टी ने इससे असहमति जताई है। विधेयक के अनुसार, कानून लागू होने के बाद किसी भी नजूल भूमि को किसी निजी व्यक्ति या निजी संस्था के पक्ष में पूरा मालिकाना हक हस्तांतरित करने पर रोक लग जाती। इसके बजाय, नजूल भूमि का इस्तेमाल सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए किया जाता। विधेयक में प्रस्ताव किया गया था कि नजूल भूमि को निजी व्यक्तियों या संस्थाओं को हस्तांतरित करने के लिए कोई भी अदालती कार्यवाही या आवेदन रद्द कर दिया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ये भूमि सरकारी नियंत्रण में रहे।कुल मिलाकर विधेयक का उद्देश्य नजूल भूमि प्रबंधन को सुव्यवस्थित करना और अनधिकृत निजीकरण को रोकना बताया गया है।

बता दें उत्तर प्रदेश में लम्बे समय से नजूल की बेशकीमती जमीनों को कौड़ियों के भाव फ्री होल्ड कराने का खेल चल रहा है। लगभग दो लाख करोड़ रुपये की इन सरकारी जमीनों को सर्किल रेट का केवल 10 फीसदी देकर फ्री होल्ड कराने की जद्दोजहद की जा रही है। इन जमीनों को निजी हाथों में जाने से बचाने के लिए लाया गया योगी सरकार का उत्तर प्रदेश नजूल संपत्ति-2024 विधेयक विधान परिषद में अटक गया,तो इससे कई ताकतवर लोगों ने राहत की सांस ली।

गौरतलब हो उत्तर प्रदेश में लगभग 25 हजार हेक्टेयर जमीन नजूल की है,जिसमें से कम से कम चार हजार एकड़ जमीन फ्री होल्ड कराई जा चुकी है और अब नजूल जमीनों के मालिकाना हक को लेकर 312 केस हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चल रहे हैं। करीब 2500 केस पाइप लाइन में हैं। इनसे जुड़ी जमीनों की कीमत लगभग दो लाख करोड़ रुपये है। ये जमीनें सबसे ज्यादा प्रयागराज, कानपुर, अयोध्या, सुल्तानपुर, गोंडा, बाराबंकी आदि में हैं। नजूल की जमीनों को फ्री होल्ड कराने का केंद्र प्रयागराज है। यहां लगभग पूरा सिविल लाइंस नजूल की जमीन पर है। एक-एक बंगला 100 से 250 करो? रुपये का है।इसी के चलते प्रयागराज निवासी और डिप्टी सीएम चाहते थे कि यह कानून पास हो जाये,लेकिन उन्हीं की पार्टी वालों ने इसका पलीता लगा दिया।

नजूल की जमीन के लिये कैसे खेल होता है,उसकी पूरी बानगी समझने के लिये बता दें कि किसी नजूल जमीन की कीमत सर्किल रेट के हिसाब से 50 करोड़ रुपये है तो इस जमीन का बाजार भाव 100 करो? होगा। लेकिन मौजूदा नजूल जमीन कानून के तहत इसे सर्किल रेट का केवल 10 फीसदी देकर फ्री होल्ड कराया जा रहा है। यानि वह व्यक्ति केवल पांच करोड़ रुपये में 100 करोड़ रुपये की जमीन का मालिक बन जाता है। जबकि खास बात यह है कि नजूल एक्ट में फ्री होल्ड का प्रावधान ही नहीं है, लेकिन अब तक कम से कम 25 फीसदी नजूल की जमीन को इस तरीके से फ्री होल्ड कराया जा चुका है।

नजूल की जमीन है क्या, यह इस तरह से समझा जा सकता है आजादी से पहले अंग्रेजी हुकूमत ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और लगान चुका पाने में विफल लोगों की जमीनों को छीन लिया था। इसके बाद 1895 में गवर्नमेंट ग्रांड एक्ट के तहत ये जमीनें मामूली किराये पर अंग्रेजों ने लीज पर दे दीं। इनकी लीज अवधि 90 वर्ष तक थी। लीज पर दी गई इन जमीनों पर सरकार का मालिकाना हक कभी खत्म नहीं होता था।

ऐसी जमीनों को फ्री होल्ड से रोकने के लिए प्रदेश सरकार नजूल एक्ट लाई है। सरकार इस एक्ट के जरिए नजूल की जमीन को कौड़ियों के भाव फ्री होल्ड कराने के खेल पर रोक लगाना चाहती है। प्रस्तावित एक्ट के मुताबिक नजूल की जमीनों पर जो लोग रह रहे हैं, उन्हें नहीं छेड़ा जाना था तो वहीं गरीब और कमजोर लोगों के पुनर्वास की व्यवस्था की भी बात कही गई थी। यानी उन्हें हटाया भी नहीं जाएगा। केवल बची जगह पर पार्किंग, पार्क, सरकारी संस्थान, सरकारी शिक्षण संस्थान, पीएम आवास योजना या अन्य सार्वजनिक उपयोग में लाने का प्रावधान किया गया था। वहीं नजूल जमीन पर बसे बाजारों को बेहतर बनाने का प्रावधान था। नजूल एक्ट को देश के शीर्ष कानूनी विशेषज्ञों की राय से तैयार किया गया है। खैर, यह समझ लेना भी जरूरी है कि नजूल की जमीन को लेकर स्वतंत्र भारत के आज तक कोई नजूल एक्ट वजूद में ही नहीं था। मानसून सत्र में पहली बार यूपी में नजूल की जमीनों को लेकर विधेयक लाया गया। 1895 में ब्रिटिश सरकार गवर्नमेंट ग्रांड एक्ट लाई थी, जिसके तहत जमीन लीज पर देने का प्रावधान किया गया था। उस समय शहरों की तुलना में कृषि जमीनों की कीमत ज्यादा थी, इसलिए शहरी जमीनों के बड़े-बड़े टुकड़े अंग्रेजों ने लीज के रूप में दे दिए थे। आज हालात बदल गए हैं। वर्ष 2020 में इसी एक्ट को दोबारा पास कर दिया गया था। गवर्नमेंट ग्रांड एक्ट में ऑटोमेटिक रिन्यूअल का प्रावधान है, लेकिन उसमें रहने वाला जमीन का मालिक नहीं हो सकता। वह किसी तीसरे पक्ष को जमीन नहीं दे सकता। वह किसी तीसरे पक्ष के लिए जमीन दी गई है, उसके अलावा अन्य किसी उपयोग में लाने पर लीज को निरस्त किया जा सकता है।

नया नजूल भूमि एक्ट यह अमली जामा पहन लेता है तो इसके बाद उत्तर प्रदेश में किसी भी नजूल भूमि को किसी प्राइवेट व्यक्ति या प्राइवेट एंटिटी (संस्था या अन्य) के पक्ष में फ्रीहोल्ड (स्वामित्व) नहीं किया जा सकेगा। खाली पड़ी नजूल भूमि जिसकी लीज अवधि समाप्त हो रही है, उसे फ्रीहोल्ड न करके सार्वजनिक हित की परियोजनाओं जैसे अस्पताल, विद्यालय, सरकारी कार्यालय आदि का उपयोग के लिए किया जाएगा।

नजूल भूमि विधेयक के अनुसार, ऐसे पट्टाधारक जिन्होंने 27, जुलाई 2020 तक फ्री होल्ड कि लिए आवेदन कर दिया है और निर्धारित शुल्क जमा कर दिया है, उनके पास विकल्प होगा कि वह लीज अवधि समाप्त होने के बाद अलगे 30 वर्ष की अवधि के लिए नवीनीकरण करा सकें। बशर्ते, उनकी ओर से मूल लीज डीड का उल्लंघन न किया गया **- अजय कुमार**

उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार

राशिफल

श्रावण कृष्ण पक्ष : अमावस्या | (विक्रम संवत् 2081)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आर्थिक स्थिति थोड़ी बूझी-बूझी सी महसूस करेंगे आप। बहुत मजेदार नहीं लगेगा। वाणी में ताकत नहीं रहेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
ऊर्जा का स्तर घटता-बढ़ता रहेगा। बेचैनी, घबराहट बनी रहेगी। प्रेम, संतान का साथ होगा। व्यापार भी सही रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
ऊर्जा का ह्रास होगा। खर्च की अधिकता रहेगी। मन में बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार मध्यम दिख रहा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
आय के बहुत स्तोत्र होने के कारण कन्फ्यूज रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
कोर्ट-कचहरी से बचें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यापारिक स्थिति मध्यम है। कोई नए व्यापार की शुरुआत न करें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भाग्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा बहुत मजेदार नहीं होगी। कार्यों में विघ्न-बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य ठीक-ठाक।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। रिस्क लेने लायक नहीं हैं अभी। स्वास्थ्य मध्यम।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। बहुत सारे लोगों के साथ संबंध के चक्कर में न रहें। कोई नहीं मिल पाएगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
शत्रुओं की संख्या में बढ़ोतरी होगी। यद्यपि कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएगा। कार्यों में विघ्न-बाधा रहेगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मन कन्फ्यूज रहेगा। बहुत सारे ऑप्शन में आप परेशान रहेंगे। कंसंट्रेशन की प्रॉब्लम होगी। विद्यार्थी परेशानी में रहेंगे।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
घर में बहुत तरीके के लोग इस समय शामिल रहेंगे। जिस की वजह से घरेलू सुख बाधित रहेगा। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी लेकिन नए व्यापार की शुरुआत न करें। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य मध्यम।

नोएडा विधायक पंकज सिंह ने बिजली विभाग से साथ की बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। शहर की बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में विद्युत विभाग के चीफ इंजीनियर और नोएडा डिवीजन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रमुख रूप से बिजली आपूर्ति को सुचारू बनाने, गांवों, आवासीय और औद्योगिक क्षेत्रों में पुराने और जर्जर बिजली के खंभों तथा तारों को बदलने पर जोर दिया गया। साथ ही, जहां बिजली की मांग अधिक है, वहां ट्रांसफॉर्मरों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया। नई कॉलोनियों में विद्युतीकरण की योजना भी चर्चा का एक प्रमुख विषय रहा।

विधायक पंकज सिंह ने विद्युत विभाग को निर्देश दिए कि वे इन समस्याओं के समाधान के लिए जल्द से जल्द एक विस्तृत योजना तैयार करें और उसे क्रियान्वित करना शुरू करें। उन्होंने कहा कि शहर में बिजली कटौती और वोल्टेज की समस्या का समाधान होगा। इस योजना से न केवल आम नागरिकों को राहत मिलेगी, बल्कि औद्योगिक क्षेत्र भी लाभान्वित होगा।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने की विधायक से मुलाकात

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल की टीम को विधायक पंकज सिंह ने शपथ ग्रहण समारोह की सफलता की बधाई दी और मंगलमय भविष्य की शुभकामनाएं दी। विधायक पंकज सिंह ने प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन से बातचीत करते हुए कहा कि इस सरकार और व्यापारी एक दूसरे के पूरक है। उत्तर प्रदेश सरकार हमेशा व्यापारिक हितों में कार्य कर रही है और करती रहेगी। सेक्टर 26 स्थित आवास पर विधायक ने व्यापारियों के साथ मीटिंग की।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश चेयरमैन नवनीत गुप्ता ने कहा कि नोएडा अथॉरिटी व्यापारियों को परेशान कर रही है। बने हुए प्रॉपर्टी को तोड़ने के लिए हर रोज़ पुलिस बल बाज़ारों में आता है। यदि वो ज़मीन अवैध है तो रजिस्टरी क्यों हो रही है। एक छोटा दुकानदार अपने जीवन की पूरी कमाई लगा कर एक ज़मीन की रजिस्ट्री करवाता है और उसके बाद नोएडा अथॉरिटी उसे तोड़ने के लिए परेशान करती है। सबसे पहले उन ज़मीनों की रजिस्ट्री बंद होनी चाहिए। विकास जैन ने विधायक पंकज सिंह को कहा कि पार्किंग की समस्या से व्यापारी जूझ रहा है। नोएडा अथॉरिटी ने पार्किंग की व्यवस्था बाज़ारों में नहीं की है। बिना पार्किंग के बाज़ारों में व्यापार नहीं हो सकता है। ट्रैफ़िक पुलिस गाडियों के फ़ोटो खींचकर दो दो हज़ार रुपये का चालान कर रही है। इस प्रकार बिज़नस कैसे हो पाएगा। पंकज सिंह ने सभी समस्याओं को सुनकर नोएडा अथॉरिटी से बात करने के लिए कहा और इन समस्याओं को जल्द से जल्द सुलझाने का वादा किया।

कांग्रेस के कार्यकर्ताओ ने सौंपा ज्ञापन

नोएडा (चेतना मंच)। कांग्रेस के कार्यकर्ताओ ने बिजली की भयंकर कटौती को लेकर सेक्टर-19 सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन कर महामहिम राष्ट्पति के नाम ज्ञापन सौपा। महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने बताया कि हमारे जनपद में भीषण गर्मी में कई कई घण्टे बिजली कटौती हो रही है। इस हालत में बच्चे बुजर्गो को कई तरह की दिक्कतें हो जाती है।

गौतमबुद्धनगर को नो पॉवर कट जॉन घोषित किया हुआ है उसके बावजूद भी बिजली की कटौती की जा रही है,वरिष्ठ नेता दिनेश अवाना ने कहा है कि भाजपा सरकार विकास के नाम पर छल कर रही है नोएडा को सम्राट सिटी कहा जाता है लेकिन यहाँ समस्याओं का अंबार लगा हुआ है कोई जनता की सुनने वाला नही है। पूर्व महानगर अध्यक्ष शहाबुदीन ने कहा है कि नोएड़ा को बसाने में किसानो का सबसे बड़ा योगदान है। लेकिन भाजपा सरकार में सबसे ज्यादा किसानों का शोषण हो रहा है डूब क्षेत्र मैं सैकड़ो परिवार रहते है। लेकिन नोएडा जैसे हाईटेक शहर में उन्हें बिना रोशनी के रहना पड़ रहा है,पूर्व प्रदेश्य सदस्य सतेन्द्र शर्मा कहा है की नोएडा में लोग अन्य शहरों से आकर यहाँ अपना रोज़गार कर रहे है लेकिन कई कई घण्टो की बिजली कटौती से लोगो का नुकसान होता है। भाजपा सरकार के सर में जू तक नही रेंग रही है। अखिल भारतीय काँग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के सचिव लियाकत चौधरी ने कहा है कि हम सब काँग्रेस जब सरकार को जगाने के लिए आये है जिससे जनता को बिजली कटौती से राहत मिल सके और भीषण उमस भरी गर्मी में लोग आराम से रह सके।

इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव,पूर्व एआईसीसी सदस्य दिनेश अवाना,पूर्व अध्यक्ष शहाबुदीन,प्रदेश्य सदस्य यतेंद्र शर्मा,राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विभाग सचिव लियाकत चौधरी,नेता विक्रम चौधरी,नेता दयाशंकर पांडेय,एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष राजकुमार मोनू,महिला नेत्री डॉ सीमा,नेता रामकुमार शर्मा,नेता एसके राणा,आर के प्रथम,नेता सलीम,राहुल यादव,अरुण शर्मा,जावेद सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेक्टर-27 में धूम-धाम से मनाया 'हरियाली तीज'

नोएडा(चेतना मंच)। बीएस फाउंडेशन द्वारा सेक्टर-27 में हरियाली तीज कार्यक्रम का आयोजन किया। हर वर्ष की भांति इस साल भी पूरे नोएडा से म्यूजिक की शौकीन महिलाएं इसमें शामिल हुईं। बीएस फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ बबिता शर्मा ने इस मौके पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉक्टर बबीता शर्मा ने सभी को तीज के तोहफे दिए कार्यक्रम की अध्यक्ष महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विमला बाथम रही। कार्यक्रम की भव्यता देखने योग्य थी आने वाली सभी महिलाओं के लिए हाथों में मेहंदी लगाने का इंतजाम था सभी महिलाएं लगभग हरे परिधान में उपस्थित हुई। डॉक्टर बबीता शर्मा द्वारा गाए तीज के गीतों पर महिलाएं झूम झूम कर नाची।

महिलाओं के लिए संयुक्त जागरूक शिविर आयोजन

मोदीनगर। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर जिला जज अनिल कुमार अध्यक्ष जनपद न्यायधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के नियंत्रण कुमार मिताक्षर सचिव/अपर जिला जज, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के आदेश व जिला प्रबोशन अधिकारी गाजियाबाद की देखरेख में तहसील परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन अधिवक्ता विजय वशिष्ठ ने किया तथा शिविर की अध्यक्षता श्रीमति गुंजन मौर्या जिला वन स्टॉप सैन्टर यूनिट-2 मोदीनगर सौशल कैश इंचार्ज व सब इस्पेक्टर शशी बाला द्वारा की गई। गुजन मोर्या ने बताया कि भारत सरकार द्वारा निर्गत कार्यक्रम संक्लप एच0ई0डब्लू0 के अर्न्तगत 100 दिन का विशेष जागरूकता अभियान का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। जिसके क्रम में आज जिसमे विभाग के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताया गया एवं हेल्पलाईन नम्बर की जानकरी दी गई। पैनल अधिवक्ता संजय मुदगल ने बताया कि शादीशुदा या अविवाहित स्त्रियां अपने साथ हो रहे अन्याय व प्रताडना को घरेलू हिंसा कानू के अंर्तगत दर्ज कराकर उसी घर में रहने का अधिकार पा सकती जिसमें वह रह रही है। यदि किसी को शिकायत नही सुनी जा रही है तो वह अब अपनी समस्या को लेकर सखी वन स्टाप सैन्टर मोदीनगर कमरा नम्बर 32 में आकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है। वन स्टाप सैन्टर पर तैनात सब इस्पैक्टर शशीबाला ने बताया कि महिलाओं एवं बालिकाओं के खिलाप हिंसा और भेदभाव के उन्मूलन के बारे में जागरूक किया।

स्वास्थ्य बीमा से जीएसटी हटाया जाए : नरेन्द्र चोपडा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पंजाबी एकता समिति ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से बजट में संशोधन करते हुए स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी न लगाने की मांग की हैं। महासचिव नरेंद्र चोपड़ा ने लिखे पत्र में कहा कि स्वास्थ्य बीमा में जीएसटी बिलकुल भी नहीं लगाना चाहिए और अगर अति आवश्यक हो तो जीएसटी केवल 5 प्रतिशत लगना चाहिए ताकि अत्यधिक जनता स्वास्थ्य बीमा का लाभ ले सके। क्योंकि की भारत में मध्य वर्ग की जनता के ऊपर अत्यधिक टैक्स की मार पहले से ही और उसके उपरांत स्वास्थ्य बीमा पर 18 प्रतिशत अनुचित है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, दादरी, जनपद-गौतमबुद्धनगर

पत्रांक- 1118/न0पा0परि0दा0/ई0नि0सू0/2024-25 दिनांक: 03 अगस्त 2024

-: ई-निविदा सूचना :-

राज्य वित्त आयोग/पालिका बोर्ड फण्ड की धनराशि से नगर पालिका परिषद दादरी जनपद गौतमबुद्धनगर में 25 वार्डों में विभिन्न स्थलों पर अध्यक्ष एवं सदस्यों के नामों के साईन बोर्ड आपूर्ति एवं अधिष्ठापन के कार्य हेतु निकाय में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। इस हेतु ई-निविदा दिनांक-05.08.2024 से दिनाँक-27.08.2024 तक ऑनलाइन वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर प्रात: 10.00 बजे से सायं 5:00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती हैं। ई-निविदा के सम्बन्ध में निविदादाता कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उक्त कार्यों की निविदा दिनाँक 28.08.2024 अपराह्न 12.30 बजे खोली जायेगी, जिसे सम्बन्धित वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर देखा जा सकता है। किसी भी ई-निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। निविदा शुल्क एवं जमानत धनराशि आर0टी0जी0एस0/एन0ई0एफ0टी0 के माध्यम से नगर पालिका परिषद दादरी के खाता संख्या 50100065525653 एच0डी0एफ0सी0 बैंक, शाखा दादरी IFSC Code-HDFC0000927 में करायी जायेगी जिसकी कॉपी सम्बन्धित ठेकेदारों द्वारा टेण्डर अपलोड करते समय अपलोड की जायेगी। बिना धरोहर धनराशि के निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। कार्य का आगणन, नियम व शर्तें कार्यालय नगर पालिका परिषद दादरी में किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में देखा जा सकता है। कार्य का भुगतान बजट उपलब्धता के आधार पर किया जायेगा।

(उमेश शर्मा)	(जयपाल सिंह)	(शालिनी गुप्ता)	(गीता शर्मा)
लिपिक, लेखा अनुभाग	अवर अभियन्ता, सिविल	अधिशासी अधिकारी	अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद दादरी	नगर पालिका परिषद दादरी	नगर पालिका परिषद दादरी	नगर पालिका परिषद दादरी
गौतमबुद्धनगर	गौतमबुद्धनगर	गौतमबुद्धनगर	गौतमबुद्धनगर

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

गौतमबुद्ध नगर के चार परिषदीय स्कूलों पर लटक सकता है ताला

ग्रेटर नोएडा। प्रदेश के शो विंडो कहे जाने वाले गौतमबुद्ध नगर के चार परिषदीय स्कूलों में छात्र संख्या कम होने के कारण ताला लटक सकता है। यदि ऐसा होता है तो इनमें पढ़ने वाले बच्चों को नजदीक के स्कूल में स्थानांतरित किया जाएगा। इससे उन्हें दिक्कत होगी। शिक्षक अन्य स्कूल में समायोजित होंगे।

बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से परिषदीय स्कूलों को संवारा जा रहा है। भले ही स्कूलों का कायाकल्प हो रहा हो, लेकिन स्कूलों से लगातार छात्रों की संख्या कम होती जा रही है। हाल ही में शासन की ओर से जनपद के 152 स्कूलों की सूची जारी की गई थी, जिनमें 50 से कम छात्रों का नामांकन था। उनमें दनकौर, जेवर और दादरी के ही 132 स्कूल शामिल थे। दादरी ब्लॉक के प्राथमिक स्कूल रोशनगढ़ी और प्राथमिक स्कूल नई बील में कई कक्षाओं में एक भी छात्र का नामांकन नहीं है।

दोनों स्कूलों में दो-दो छात्रों का ही नामांकन है। दनकौर ब्लॉक के प्राथमिक स्कूल बूढ़ा घरबरा और प्राथमिक स्कूल मिल्क खरेली भाव में भी छात्रों की संख्या 10 से कम है। चारों स्कूलों में शिक्षकों की संख्या तीन-तीन से अधिक है। नई शिक्षा नीति के तहत एक शिक्षक 30 छात्रों को पढ़ाएगा, लेकिन यहां छात्रों से अधिक शिक्षक तैनात हैं।

पिछले कई महीनों से स्कूलों में छात्रों की संख्या कम हो रही है। उसके बाद भी शिक्षा विभाग की ओर से होने कोई रणनीति नहीं बनाई गई। पिछले सत्र में शिक्षकों ने घर-घर जाकर अभिभावकों को परिषदीय स्कूलों में मिल रही सुविधाओं के बारे में अवगत कराया था,लेकिन इस बार ऐसा देखने को नहीं मिला। आउट आफ स्कूल छात्रों की गांव- गांव जाकर पहचान करनी थी। उस अभियान को भी गति नहीं मिल पाई।

छात्रों की संख्या कम होने का कारण शिक्षक आबादी नहीं होना बता रहे है। शिक्षकों का कहना है कि मजरा में दो तीन परिवार ही रहते हैं। जो संपन्न परिवार हैं। वह अपने बच्चों को परिषदीय स्कूलों में नहीं भेजना चाहते हैं। वहीं नई बील स्कूल ईस्टन परिफेरल के पास में है। जहां आए दिन हादसे होते हैं। हादसों के डर के कारण अभिभावक बच्चों को स्कूल नहीं भेजना चाहते हैं।

खास खबर

हानिया को अंतिम विदाई देने पहुंचे हजारों लोग

दोहा। हमास चीफ इस्माइल हानिया को कतर की राजधानी दोहा में दफनाया गया है, उससे पहले दोहा की सबसे बड़ी मस्जिद में जनाजे की नमाज पढ़ाई गई। हानिया को विदाई देने हजारों लोग पहुंचे और उन्होंने इजराइल के खिलाफ नारेबाजी की और उससे बदला लेने की मांग की। हानिया को इजरायल ने ईरान की राजधानी तेहरान में मार दिया था। ये घटना हमास के लिए बड़ा झटका है। हानिया की मौत के बाद ईरान ने भी इजराइल पर हमले की चेतावनी दी। हानिया की मौत को लेकर दुनिया के कई देशों ने इजराइल की इस हरकत की निंदा भी की।

तुर्किये ने इंस्टाग्राम पर लगाया बैन

तुर्किये । यूरोपियाई देश तुर्किये ने सोशल मीडिया ऐप इंस्टाग्राम पर बैन लगा दिया है। 2 अगस्त को जारी किए गए आदेश में तुर्किये की सरकार ने इंस्टाग्राम के डोमेन को ब्लॉक कर दिया है। हालांकि बैन को लेकर सरकार ने किसी तरह का स्पष्टीकरण नहीं दिया है। तुर्किये की नेशनल कम्युनिकेशन अथॉरिटी ने अपनी बेवसाइट पर पोस्ट करते हुए इस बात की जानकारी दी। आदेश के बाद तुर्किये के अंदर कई लोगों ने एक्स पर पोस्ट करते हुए इंस्टाग्राम फीड के लोड न होने को लेकर शिकायत भरे पोस्ट किए। तुर्किये के राष्ट्रपति कार्यालय में कम्युनिकेशन डायरेक्टर फहार्टिन अल्टन ने बुधवार को में इंस्टाग्राम की पेरेंट कंपनी मेटा पर आरोप लगाते हुए कहा था कि वो लोगों को हमास चीफ इस्माइल हानियेह की मौत पर शौक संदेश पोस्ट करने से रोक रही है। इस्माइल हानियेह की मौत मंगलवार को ईरान की राजधानी तेहरान में हुई थी। उसे इजराइल ने एक हमले में मार दिया था। हानियेह, तुर्किये के राष्ट्रपति रेचप तैय्यप एदोर्गान का करीबी भी था।

अमरनाथ यात्रा: 991 यात्रियों का जत्था रवाना

जम्मू। अमरनाथ यात्रा पिछले 35 दिनों में 4.85 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री बाबा बफार्नी के दर्शन कर चुके हैं। शनिवार को 991 यात्रियों का एक छोटा जत्था घाटी के लिए रवाना हुआ। इस साल अमरनाथ यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या पिछले साल के मुकाबले ज्यारा है। अब तक 4.85 लाख से ज्यादा श्रद्धालु यह यात्रा कर चुके हैं, जबकि पिछले साल 4.45 लाख लोगों ने अमरनाथ यात्रा की थी। पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों समेत बड़ी संख्या में सुरक्षा बल, तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए जम्मू से लेकर दोनों आधार शिविरों तक 350 किलोमीटर से भी लंबे मार्ग पर 24 घंटे ड्यूटी पर तैनात हैं।श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड के अधिकारी पेशेवर क्षमता के साथ यात्रा के मामलों का प्रबंधन कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि 991 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था शनिवार सुबह जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। इनमें से 176 लोग उत्तर कश्मीर के बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुए, जबकि 815 लोग दक्षिण कश्मीर के नुनवान आधार शिविर जा रहे हैं। अमरनाथ यात्रा 29 जून 2024 को शुरू हुई थी। यह 52 दिनों के बाद 19 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी।

केदारनाथ में बारिश से कई रास्ते हुए क्षतिग्रस्त

▸ फंसे हुए लोगों के सुरक्षित रेस्क्यू करने के किए जा रहे हैं प्रयास

एजेंसी

रुद्रप्रयाग । देशभर में मूसलाधार बारिश का कहर जारी है। कई राज्यों में भारी बा ?रिश से लोगों को काफी नुकसान हो रहा है। उत्तराखंड में भी पहाड़ दरक रहे हैं, बादल फटने से भारी नुकसान हो रहा है। इस बीच केदारनाथ धाम पहुंचे श्रद्धालुओं को भी काफी परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। प्रशासन की ओर से फंसे लोगों तक राहत पहुंचाने की कोशिश जारी है। इस बीच उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय ने बताया कि केदारनाथ में भारी बारिश के कारण कई रास्ते क्षतिग्रस्त हो गए। विभिन्न जगहों पर फंसे तीर्थयात्रियों और स्थानीय लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू करने के

लिए जिला प्रशासन व पुलिस समेत अन्य सुरक्षा बल लगातार कार्य में जुटे हैं। हर स्तर पर सभी लोगों के सुरक्षित रेस्क्यू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए वायु सेना के चिनूक और एमआई 17 विमान से भी यात्रियों को एयर लिफ्ट किया गया। वहीं मैनुअल रेस्क्यू भी लगातार जारी है। रुद्रप्रयाग प्रशासन ने आपदा में मृतकों एवं गुमशुदा यात्रियों के संबंध में स्थिति स्पष्ट की। प्रशासन के मुताबिक अब तक दो शव बरामद हुए हैं। यह दोनों शव लिंचोली क्षेत्र से बरामद हुए हैं। नेटवर्क कनेक्टिविटी की समस्या के कारण यात्रियों को परिजनों से संपर्क करने में समस्या हो रही है। विभिन्न जगहों पर रुके यात्रियों के लिए प्रशासन के स्तर से पर्याप्त भोजन, पानी और आवासीय व्यवस्था भी की गई हैं। जिला पुलिस ने हेल्पलाइन नंबर 7579257572, 01364-233387 और आपातकालीन नंबर 112 जारी कर यात्रियों के परिजनों की कॉल्स पर जरूरी जानकारी दी जा रही है। **भीमबली में रुके 150 यात्रियों ने प्रीपेड काउंटर पर लगे वाई-फाई नेटवर्क के माध्यम से अपने परिजनों से बातचीत कर उन्हें कुशलता की जानकारी दी। शुक्रवार को 599 लोगों को हेलीकॉप्टर सेवाओं से एयर लिफ्ट कर रेस्क्यू किया गया। जबकि, सोनप्रयाग से जंगल चट्टी के बीच फंसे 2024 और चौमासी में फंसे 161 तीर्थयात्रियों का रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू में जुटे लोगों का कहना है कि बारिश रेस्क्यू में बाधा डाल रही है।**

60 घंटे बाद भी 36 लोगों का नहीं चल रहा पता, बचाव टीमें तलाश में जुटीं

एजेंसी

रामपुर। हिमाचल के शिमला जिले के रामपुर के समेज गांव में 60 घंटे बाद भी लापता 36 लोगों का पता नहीं चल सका है। यहां महिला, बच्चों समेत 36 लोग मलबे में दब गए लेकिन उनके जिंदा होने का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। गांव में दो दिन बाद एक गाय जिंदा मिली है। यह गाय फ्लैश फ्लड में आने से बच गई थी। शनिवार को गांव को जोड़ने सेना ने वैली ब्रिज बनाया तो गाय के मालिक रामलाल वहां पहुंचे और गाय चारा खिलाया। रामलाल ने बताया कि जो घर बचे हुए हैं, वह सभी उसके ही हैं। हालांकि, इन घरों में कोई नहीं रहता है। एक मकान में मजदूर रहते थे वह भी हादसे वाली रात को घर पर नहीं थे। रामलाल ने बताया कि यहां पर केवल 64 वर्षीय चंद्र और उसकी पत्नी ही बचे हैं। उन्होंने भाग कर अपनी जान बचाई थी। पूरा गांव मलबे के ढेर के नीचे दबा हुआ है। एनडीआरएफ टीम ने लाइफ डिटेक्टिंग उपकरण का इस्तेमाल किया, लेकिन अब तक कुछ हाथ नहीं लगा है। सेना के जवान तलाशी अभियान में जुटे हुए हैं। पुलिस, होमगार्ड, सेना, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी, सीआईएफ के खोजी दलों का ज्वाइंट ऑपरेशन चल रहा है। अब तक कोई कामयाबी नहीं मिली है। गौरतलब है कि समेज गांव में 31 जुलाई की रात को बादल फटने के बाद भयंकर बाढ़ आई और 36 लोग लापता हो गए।

वायनाड हादसा: 200 लोग लापता, तलाशने के लिए उतारे गए रडार ड्रोन

एजेंसी

वायनाड। वायनाड में भूस्खलन की त्रासदी के बाद पांचवें दिन से तलाशी अभियान जारी है। अब तक 300 से ज्यादा लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और 200 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। हालांकि राहत-बचाव में लगी एजेंसियों ने हिम्मत नहीं हारी है। शुक्रवार को भी मलबे के नीचे से कई जिंदा लोगों को निकाला गया। ऐसे में तकनीक की मदद से तलाशी अभियान को और भी तेज किया गया है। राहत और बचाव में रडार वाले ड्रोन को भी उतारा गया है। यह ड्रोन ध ?ती से 120 मीटर की ऊंचाई पर उड़ता है और एक बार में 40 हेक्टेयर में सर्च करता है। इसमें रडार सिस्टम का इस्तेमाल किया गया है। ये चारों ओर तरंगें भेजता है जिनकी मदद से मलबे के नीचे दबे लोगों का पता लगाया जाता है। वायनाड के

भूस्खलन प्रभावित गांव में उन्नत रडार प्रणाली के साथ खोज अभियान चला रहे बचावकर्मियों को संभवतः किसी मानव या पशु द्वारा सांस लेने का संकेत मिलता है। अभियान में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि बुरी तरह प्रभावित मुंडक्कई गांव में एक घर की तलाशी के दौरान रडार पर नीला सिग्नल प्राप्त हुआ। अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा, किसी के लगातार सांस लेने का संकेत मिल रहा है। हालांकि, शुक्रवार शाम को खोज अभियान समाप्त हो गया क्योंकि बचावकर्मियों ने निष्कर्ष निकाला कि मलबे के नीचे किसी व्यक्ति की मौजूदगी की संभावना नहीं है। देर शाम फेसबुक पर लिखे एक पोस्ट में मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि लोगों की तलाश जारी है, रडार पर छोटी-सी हलचल का पता चला है, जिससे उम्मीद की किरणें दिख रही हैं। उन्होंने कहा, ध्वस्त इमारत के मलबे के बीच, बचावकर्मी अपने प्रयास जारी रखे हुए हैं तथा बचे हुए लोगों को खोजने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। वायनाड के गांव में भूस्खलने के बाद मलबे और नदी में तलाशी के लिए उन्नत उपकरणों और खोजी कुत्तों का इस्तेमाल किया जा रहा है। वायनाड भूस्खलन हादसे के बाद व्यवसायी, मशहूर हस्तियां और संस्थाएं मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में लाखों-करोड़ों रुपये दान देने में जुटी हैं। सेना द्वारा 190 फुट लंबे बेली ब्रिज का निर्माण पूरा होने के बाद खोज अभियान में तेजी आने के बीच बचाव दलों ने शुक्रवार को भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के मोबाइल फोन से प्राप्त अंतिम लोकेशन समेत जीपीएस निदेशांकों और ड्रोन चित्रों का इस्तेमाल करके मलबे में फंसे लोगों की तलाश की।

राम मंदिर पर फिर सियासत शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राम मंदिर का लेकर फिर सियासत शुरू हो गई है। कांग्रेस ने राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण ठुकराने को लेकर बीजेपी और कांग्रेस नेता आमने-सामने आ गए हैं। कांग्रेस के कद्दावर नेता और राज्य के पूर्व मंत्री कवासी लखमा के बयान के बाद यहां सियासत गरमा गई। कांग्रेस के निमंत्रण ठुकराने के फैसले को लखमा ने सही बताया है। वहीं, कवासी लखमा के बयान पर छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने पलटवार किया है। भूपेश बघेल सरकार में मंत्री रहे कवासी लखमा ने कहा कि राहुल गांधी ने राम मंदिर का निमंत्रण स्वीकार नहीं करके सही किया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के पाप को कांग्रेस क्यों उठाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हाल ही बने राम मंदिर से लेकर नई संसद तक में पानी टपक रहा है।

किसानों ने बठिंडा-मनसा हाइवे पर बने टोल प्लाजा को किया ध्वस्त

एजेंसी

बठिंडा। पंजाब में बठिंडा-मनसा हाइवे पर बने टोल प्लाजा को किसानों ने ध्वस्त कर दिया। भारतीय किसान यूनियन (एकता डकौंदा) और भारतीय किसान यूनियन (एकता सिद्धुपुर) के कार्यकर्ता इसमें शामिल थे। किसानों का कहना है कि यह टोल प्लाजा कई सालों से बंद था और सड़क हादसों का कारण बन रहा था। यह घटना बठिंडा जिले के घुम्मन कलां गांव में हुई। किसान जेसीबी मशीनों के साथ टोल प्लाजा पहुंचे और उसे उखाड़ फेंका। उन्होंने बताया कि यह टोल प्लाजा कई साल पहले बनाया गया था, लेकिन इसे आज तक चालू नहीं किया जा सका। यह पहली बार नहीं जब जब किसानों ने इस बंद पड़े टोल प्लाजा को तोड़ा है। इससे पहले 21 दिसंबर, 2023 को मनसा जिले के हमीरगढ़ धिप्पी गांव के पास एक टोल प्लाजा को गिरा दिया गया था। किसान संगठन भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण पर भी दबाव बनाते रहे हैं। बीकेयू (एकता डकौंदा) ने राजमार्ग प्राधिकरण को मजबूर किया था कि वह बरनाला जिले में राज्य राजमार्ग के एक हिस्से पर टोल प्लाजा को राष्ट्रीय राजमार्ग के एक हिस्से में स्थानांतरित कर दें। इसके अलावा, संगठन बाथिंडा-मुक्तसर रोड पर वारिंग गांव में एक अन्य टोल प्लाजा को बंद करने के लिए भी विरोध प्रदर्शन करता रहा है। किसान संगठन का कहना है कि एक पुल के पास सड़क को चौड़ा नहीं किया गया।

बांग्लादेश आरक्षण आंदोलन में 10000 से ज्यादा छात्र और नेता गिरफ्तार

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर भारी हिंसा फैल गई है। रोजाना हजारों की संख्या में छात्र, विपक्षी दल के नेता और कार्यकर्ता सड़कों पर आकर प्रदर्शन कर रहे हैं। 18 जुलाई से ढाका और बांग्लादेश के विभिन्न जिलों में यह प्रदर्शन बड़े पैमाने पर हो रहे हैं।

पिछले तीन दिनों में आंदोलन हिंसक हो गया है। पुलिस को प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए आंसू गैस और लाठी चार्ज करके प्रदर्शन कारियों को निर्यंत्रित करना पड़ रहा है। पिछले तीन दिनों में बांग्लादेश की पुलिस ने 10000 के आसपास प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर उन्हें जेलों में भेज दिया गया है। प्रदर्शनकारियों पर गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज किये गये हैं। 18 जुलाई से बांग्लादेश के सभी शैक्षणिक संस्थान बंद है। बांग्लादेश के मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमाते इस्लामी के नेताओं, कार्यकताओं, छात्रों को बड़ी संख्या में पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज रही है। बांग्लादेश के शिक्षा मंत्री मोहबिल हसन चौधरी का कहना है। वर्तमान हालात को देखते हुए सरकार शिक्षण संस्थानों को अभी बंद रखेगी। आरक्षण आंदोलन के कारण बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था और कानून व्यवस्था की हालत

ओबेरॉय होटल को बम से उड़ाने की धमकी

छिंदवाड़ा । मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से मुंबई के फाइव स्टार होटल को बम से उड़ाने की धमकी देने के तार जुड़ें हैं। मामला ओबेरॉय होटल से जुड़ा है। प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए मामले में बड़े खुलासे किए हैं। दरअसल क्राइम ब्रांच मुंबई ने धमकी भरे कॉल के संबंध में जानकारी जुटानी शुरू की तब फोन की लोकेशन छिंदवाड़ा जिले के चौरई की मिली। तत्काल मुंबई क्राइम ब्रांच ने भोपाल और फिर छिंदवाड़ा पुलिस से संपर्क साधा। लोकेशन के आधार पर आरोपी युवक की तलाश की जा रही है।

10,000 वोल्ट का करंट होता है आसमानी बिजली में

▸ सूर्य की सतह के तापमान से 5 गुना ज्यादा होती है गर्म

एजेंसी

नई दिल्ली । बिहार में हाल ही में आसमानी बिजली गिरने से करीब 15 लोगों की मौत हुई है। बिजली की चपेट में आने से आरा में 3, जहानाबाद में 4, रोहतास में 3, औरंगाबाद में 4 और गया में 1 व्यक्ति की जान चली गई। मरने वालों में बच्चे और महिलाएं भी हैं। बिहार के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में बिजली गिरने की घटनाएं हाल के दिनों में बढ़ी हैं।

बीते जून से लेकर जुलाई के दौरान देश भर में बिजली की चपेट में आने से कम से 150 से ज्यादा लोगों की मौत की रिपोर्ट दर्ज हुई हैं। हम समझते हैं कि क्या है आसमानी बिजली, यह कितनी घातक है। रिपोर्ट के अनुसार, एक आसमानी बिजली में औसतन 10,000 वोल्ट जितना करंट होता है। वहीं, एक बिजली का तापमान 54 हजार डिग्री फॉरेनहाइट तक पहुंच सकता है। यानी यह हमारे सूर्य के सतह के तापमान से 5 गुना ज्यादा गर्म हो सकता है। आमतौर पर आसमानी बिजली की रफ्तार गोली से 30 हजार गुना तेज होती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में हर साल 140 करोड़ बिजली आसमान से गिरती है। यानी 1 दिन में औसतन 30 लाख बिजली धरती पर गिरती है। बिजली गिरने की रफ्तार इतनी तेज होती है कि यह चंद्रमा पर 55 मिनट में पहुंच सकती है। यानी दिल्ली से देहरादून तक जाने में महज 1.5 सेकेंड ही लेगी। एक स्टडी के अनुसार, दुनियाभर में हेलीकॉप्टरों की वजह से भी काफी बिजली गिरती है। दरअसल, आसमान में उड़ते वक्त हेलीकॉप्टर निगेटिव चार्जेज को सोखते हैं।

अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में तैनात किए लड़ाकू विमान

एजेंसी

वाशिंगटन। इजराइल और हमास के बीच जारी जंग अभी अंतिम चरण में पहुंची भी नहीं थी कि मिडिल ईस्ट में अमेरिका ने इजराइल की मदद के लिए लड़ाकू विमान और वारशिप तैनात कर दिए हैं। अमेरिका के इस कदम से भयावह युद्ध की आहट और तेज होती नजर आ रही है।

मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच अमेरिका ने एंट्री करते हुए मिडिल ईस्ट में इजराइल के फेवर में लड़ाकू विमान तैनात कर दिए हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय की जारी रिपोर्ट में यह बताया गया है, कि मध्य पूर्व में एक लड़ाकू जेट स्क्वाड्रन ले जाने का फैसला किया गया है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह फैसला ईरान के संभावित हमले से इजराइल को बचाने के लिए किया गया है। लड़ाकू विमान की तैनाती का

फैसला अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा और सैन्य उपस्थिति की मजबूती को ध्यान में रखकर किया गया है। अमेरिका ने आगामी एक साल तक इजराइल की सुरक्षा के लिए इस क्षेत्र में एक युद्ध वाहक रखे जाने का फैसला लिया है, लेकिन अमेरिका कहां लड़ाकू जेट स्क्वाड्रन तैनात करेगा इसकी अभी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। अमेरिकी डिफेंड सेक्रेटरी लॉयड ऑस्टिन के मुताबिक यूपीयन और मध्य पूर्व क्षेत्रों के लिए एक्स्ट्रा बैलिस्टिक मिसाइल भेजे गए हैं। अमेरिका के इस कदम से साफ जाहिर हो चुका है कि यदि युद्ध होता है तो अमेरिका इजराइल के साथ खड़ा नजर आएगा।

गौरतलब है कि ईरान के एक शीर्ष कार्यक्रम में हमास नेता इस्माइल हानिया और हिजबुल्लाह कमांडर की हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद ईरान ने इजराइल पर हत्या का इल्जाम लगाते हुए बदला लेने का ऐलान कर दिया। एक नए युद्ध की आशंका के चलते दुनिया के तमाम देश अलर्ट मोड पर आ चुके हैं।

फिलीपींस में आया भूकंप, लोग घर से बाहर भागे

मनीला। फिलीपींस में शनिवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। फिलीपींस के दक्षिणी हिस्से में शनिवार सुबह 6.8 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि घरों में मौजूद लोग बाहर निकल आए। हालांकि, भूकंप के कारण किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ वॉलकैनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी के हवाले से बताया कि भूकंप के झटके स्थानीय समयानुसार सुबह 6:22 बजे लगे। जो 9 किलोमीटर की गहराई पर था और तटीय शहर लिंगिग से लगभग 66 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था। भूकंप के झटके मिंडानाओ क्षेत्र के कई प्रांतों में भी महसूस किए गए। इनमें अगुसन डेल सुर, दावो डे ओरो, दावो सिटी, दावो ऑक्सिडेंटल और मध्य फिलीपींस के कुछ इलाके भी शामिल हैं।

जम्मू में सेना ने चलाया तलाशी अभियान

एजेंसी

जम्मू । जम्मू में ग्रेटर कैलाश के पास सूखी नहर में बीती रात कैंप ड्रेस पहने तीन लोगों को कथित तौर पर हथियारों के साथ देखा गया। इसके बाद सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान जो रात 10:15 बजे समाप्त हुआ। इस दौरान सुरक्षाबलों को कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

बता दें कि 30 जुलाई को सेना ने पुंछ जिले से हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी को गिरफ्तार किया था। आतंकी की पहचान मोहम्मद खलील के रूप में हुई थी। सेना को आतंकी खलील के मंगनार गांव में छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सेना ने ऑपरेशन चलाकर आंतकी को गिरफ्तार किया था। आतंकी खलील के पास से एक विदेशी पिस्टल भी बरामद की गई थी। इस बीच जम्मू-कश्मीर

में हो रही घुसपैठ को देखकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बीएसएफ के दो वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें उनके पदों से हटा दिया है। डीजी बीएसएफ नितिन अग्रवाल और स्पेशल डीजी वाईबी खुरानिया को उनके पदों से हटाकर उनके मूल कैडर में वापस भेजा गया है। जम्मू-कश्मीर में पिछले एक साल से हो रही लगातार आतंकियों की घुसपैठ, डीजी बीएसएफ और स्पेशल डीजी बीएसएफ को हटाने की मुख्य वजह है। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ को लेकर भारत सरकार का यह सबसे बड़ा प्रशासनिक एक्शन है, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों पर गाज गिरी है।

राजा भोज एयरपोर्ट को डीजीसीए से हरी झंडी, अब 24 घंटे मिलेगी उड़ान

एजेंसी

भोपाल । राजा भोज एयरपोर्ट जल्द ही 1 अक्टूबर 2024 से चौबीसों घंटे यात्रियों और उड़ानों से गुलजार होगा। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से आवश्यक मंजूरी मिल गई है। इस कदम से शहर की कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलने के साथ यात्रियों के लिए बेहतर यात्रा विकल्प उपलब्ध होगा।

बढ़े हुए उड़ानों के घंटों के अलावा, भोपाल एयरपोर्ट अब डिजी यात्रा सेवाएं शुरू करने के लिए भी तैयारी कर रहा है। भोपाल एयरपोर्ट निदेशक, रामजी अवस्थी ने कहा कि डिजी यात्रा एक अभिनव पहल

है जो यात्रियों की पहचान वैरिफाई करने के लिए चेहरे की पहचान प्रणाली (एफआरएस) का उपयोग करती है। इस तकनीक का उद्देश्य पूरी यात्रा प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना और इसे यात्रियों के लिए अधिक कुशल और परेशानी मुक्त बनाना है डिजी यात्रा प्रत्येक चरण में दस्तावेजों के मैन्युअल सत्यापन की आवश्यकता को समाप्त कर देगी, क्योंकि एफआरएस विभिन्न चौकियों पर यात्रियों की पहचान को प्रमाणित करेगा। इसमें हवाई अड्डे का प्रवेश द्वार, पूर्व-सुरक्षा जांच और बोर्डिंग गेट शामिल हैं। इस कदम से यात्रियों को हवाईअड्डे पर नेविगेट करने में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा।

डिजी यात्रा का लाभ लाने के लिए, यात्रियों को अपने पहचान विवरण के साथ अपने चेहरे का बायोमेट्रिक डेटा रजिस्टर करना होगा। फिर पंजीकरण प्रक्रिया ऑनलाइन या हवाई अड्डे के कियोस्क पर पूरी की जा सकती है। एक बार पंजीकृत होने के बाद, यात्री कागज रहित और संपर्क रहित यात्रा अनुभव का आनंद ले सकते हैं, क्योंकि उनका चेहरा उनके बोर्डिंग पास और पहचान दस्तावेज के रूप में काम करेगा।

एयरपोर्ट निदेशक अवस्थी ने कहा भोपाल हवाई अड्डे पर 24७7 परिचालन और डिजी यात्रा सेवाओं की शुरूआत से अधिक यात्रियों को आकर्षित करने और क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह हवाई अड्डे को अधिक मात्रा में उड़ानों और यात्रियों को संभालने में सक्षम करेगा, जिससे मध्य भारत में एक प्रमुख पारगमन केंद्र के रूप में भोपाल की स्थिति मजबूत होगी।

सना मकबूल बनी बिगबॉस ओटीटी-3 की विजेता

एजेंसी

मुंबई। मॉडलिंग व अभिनय में अपनी पहचान बना चुकी सना मकबूल खान ने बिग बॉस ओटीटी का खिताब जीत लिया है। सना ने शानदार ट्रॉफी के साथ 25 लाख रुपये का पुरस्कार भी जीता है। उन्होंने मुंबई के नेशनल कॉलेज से अपनी शिक्षा पूरी की और 2011 में अभिनय और मॉडलिंग के क्षेत्र में कदम रखा। सना ने कई टीवी विज्ञापनों और कार्यक्रमों में काम करके अपने मॉडलिंग करियर की शुरूआत की।सना ने फिल्मी दुनिया में अपनी शुरूआत तेलुगु फिल्म डिक्कुलु चूडाकु रामय्या से की। इसके बाद, उन्होंने तमिल थ्रिलर रंगून में काम किया और 2019 की फिल्म विश में भी नजर आईं। इसके अलावा, उन्होंने फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 11 में दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में भाग लिया।2009 में, सना ने एमटीवी के रियलिटी शो स्कूटी टीन दिवा और डिज्नी चैनल के हाई स्कूल म्यूजिकल सीरीज ईशानः सपनों को आवाज दे में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। 2012 में, उन्होंने फेमिना मिस इंडिया में भाग लिया और फेमिना मिस ब्यूटीफुल स्माइल का खिताब जीता।

खास खबर

भारत में निसान ने लांच की एक्स–ट्रैल एसयूवी

नई दिल्ली। भारत में निसान मोटर इंडिया ने नई 4थीं जनरेशन एक्स–ट्रैल एसयूवी के लॉन्च की घोषणा की है। एक्स–ट्रैल को दुनिया के पहले वेरिएबल कम्प्रेशन इंजन के साथ पेश किया गया है, जो बेहतरीन शक्ति और ईंधन दक्षता प्रदान करता है। नई एक्स–ट्रैल को वेरिएबल कम्प्रेशन टर्बो तकनीक से लैस किया गया है, जो इसे शक्ति और ईंधन दक्षता के मामले में अद्वितीय बनाता है। इसमें 3री पीढ़ी का एक्सट्रोनिक सीवीटी और 12वी अलीस (एडवांस्ड लिथियम–आयन बैटरी सिस्टम) भी शामिल है, जो ईंधन की खपत को बेहतर बनाता है और सीओ2 उत्सर्जन को कम करता है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। देश भर पेट्रोल और डीजल की कीमतें शनिवार को जारी हो गई है। शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत समान है। इनके भाव में किसी तरह का कोई राष्ट्रीय स्तर पर बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, राज्य स्तर पर विभिन्न टैक्स के कारण पेट्रोल और डीजल की कीमत अलग हो जाती है। दिल्ली में प्रति लीटर पेट्रोल की कीमत 94।72 रुपये, डीजल की कीमत 87।62 रुपये, मुंबई में प्रति लीटर पेट्रोल की कीमत 104।21 रुपये, डीजल की कीमत 92।15 रुपये, कोलकाता में प्रति लीटर पेट्रोल की कीमत 104।95 रुपये, डीजल की कीमत 91।76 रुपये, चेन्नई में प्रति लीटर पेट्रोल की कीमत 100।75 रुपये, डीजल की कीमत 92।34 रुपये और डीजल की कीमत 92।34 रुपये है।

देश में सोने की कीमतों में तेजी जारी

नई दिल्ली। देश में सोने की कीमत में शनिवार को भी बढ़ोतरी देखने को मिली है। राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 70,850 रुपए हो गई है। मुंबई और कोलकाता में 24 कैरेट सोने की कीमत 70,700 रुपए प्रति 10 ग्राम और चेन्नई में 70,480 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। वहीं चांदी का भाव भी बढ़कर 87,300 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) हर शनिवार और रविवार को बंद रहता है। शुक्रवार को एमसीएक्स सोने का वायदा भाव 69,792 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 82,549 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ।

जोमैटो और पेटीएम शेयर उच्च स्तर पर पहुंचे

नई दिल्ली। ढहते मार्केट में भी जोमैटो और पेटीएम के शेयरों में जोरदार तेजी देखी गई। इंट्राडे में जोमैटो शेयर जहां 19 फीसदी की तेजी के साथ उच्च स्तर पर पहुंच गया, वहीं पेटीएम शेयर भी 9 फीसदी उछलकर 6 महीने के उच्चतम स्तर पर चला गयाद्य। जोमैटो और पेटीएम शेयर में आई जोरदार तेजी के पीछे बाजार जानकार दोनों ही कंपनियों के बीच एक डील के लिए हो रही बातचीत का हाथ बता रहे हैं। जोमैटो ने हाल ही में एक्सचेंजों को बताया था कि यह पेटीएम के मूवीज और टिकटिंग बिजनेस के कारोबार को खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। जोमैटो ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि इसे लेकर पेटीएम से बातचीत ही हो रही है और कोई बाइंडिंग डिसीजन नहीं लिया गया है जिसके लिए बोर्ड के मंजूरी या किसी खुलासे की जरूरत पड़ी। पेटीएम ने भी एक्सचेंज फाइलिंग में जिक्र किया लेकिन बातचीत किस कंपनी के साथ हो रही है, इसका खुलासा नहीं किया। जानकारों का कहना है कि यह बातचीत अब काफी आगे बढ चुकी है।

टाटा सेमीकंडक्टर निर्माण व परीक्षण संयंत्र का भूमि पूजन

मोरीगांव। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और टाटा संस लिमिटेड के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने मोरीगांव जिले के जागीरोड में 27,000 करोड़ रुपये के सेमीकंडक्टर निर्माण और परीक्षण संयंत्र का भूमि पूजन किया। जागीरोड में टाटा सेमीकंडक्टर संयंत्र, भारत का पहला स्वदेशी सेमीकंडक्टर निर्माण और परीक्षण संयंत्र है। सीएम सरमा और चंद्रशेखरन, दोनों ने देश के विभिन्न हिस्सों से आए पुजारियों के मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान किए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सेमीकंडक्टर संयंत्र के 3-डी मॉडल का अनावरण किया गया।

सरकारी बीमा कंपनियों को वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के दावों को निपटाने का निर्देश

- सरकार ने पीएसआईसी को आपदा के पीड़ितों को हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है।
- बीमा दावों को शीघ्रता से संसाधित और भुगतान किया जा सके।

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने केरल के वायनाड में दुर्भाग्यपूर्ण भूस्खलन की घटना और भारी बारिश के मद्देनजर सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों को आपदा पीड़ितों को हर संभव मदद मुहैया कराने का निर्देश दिया है, ताकि बीमा दावों का तेजी से निपटान और भुगतान किया जा सके। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों (पीएसआईसी) भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), नेशनल इंश्योरेंस, न्यू इंडिया एश्योरेंस, ओरिएंटल इंश्योरेंस और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस को यह निर्देश दिया गया है। सरकार ने पीएसआईसी को आपदा के पीड़ितों को हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है, ताकि बीमा दावों को शीघ्रता से संसाधित और भुगतान किया जा सके। मंत्रालय ने कहा कि बीमा कंपनियों ने केरल के वायनाड, पलक्कड़, कोझीकोड, मलप्पुरम और त्रिशूर जिलों में सहायता के लिए संपर्क विवरण प्रदान करने के लिए विभिन्न चैनलों (स्थानीय समाचार पत्र, सोशल मीडिया, कंपनी की वेबसाइट, एसएमएस, आदि) के माध्यम से अपने पॉलिसीधारकों तक पहुंचने के प्रयास शुरू किए हैं, जहां बड़ी संख्या में दावे दर्ज किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार और वित्त मंत्रालय इस आपदा के पीड़ितों की सहायता करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि उन्हें बिना किसी देरी और परेशानी के आवश्यक सहायता मिले। वित्त मंत्रालय के मुताबिक एलआईसी को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत पॉलिसीधारकों के संबंध में दावा राशि का शीघ्र वितरण करने के लिए कहा गया है। वहीं, दावों के प्रसंस्करण के लिए आवश्यक दस्तावेजीकरण में व्यापक रूप से ढील भी दी गई है, ताकि दावा राशि का शीघ्र वितरण सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा सामान्य बीमा परिषद बीमा कंपनियों के साथ समन्वय करेगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दावों का प्रसंस्करण और भुगतान शीघ्रता से हो और सभी बीमा कंपनियों के लिए एक पोर्टल होस्ट किया जाएगा, जिसमें प्रतिदिन दावे की स्थिति की रिपोर्ट की जाएगी।

आयशर मोटर्स के लिए जीएसटी मांग घटाकर 27 करोड़ किया

नई दिल्ली। आयशर मोटर्स ने कहा कि तमिलनाडु में कर प्राधिकरण द्वारा (वस्तु एवं सेवाकर) जीएसटी मांग आदेश को अपील करने पर 129।79 करोड़ रुपये से घटाकर 26।97 करोड़ रुपये कर दिया गया है। कंपनी को 30 दिसंबर, 2023 को अतिरिक्त आयुक्त, चेन्नई उत्तर आयुक्तालय से कुल 129।79 करोड़ रुपये की मांग प्राप्त हुई थी, जिसमें 117।99 करोड़ रुपये की कर मांग और 11।79 करोड़ रुपये का जुमार्ना शामिल था। आयशर मोटर्स ने एक नियामकीय सूचना में कहा ?कि उपरोक्त जीएसटी मांग आदेश के खिलाफ कंपनी द्वारा दायर अपील के परिणामस्वरूप, मांग आदेश अब 129।79 करोड़ रुपये से संशोधित कर कुल 26।97 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जिसमें 24।52 करोड़ रुपये की कर मांग और 2।45 करोड़ रुपये का जुमार्ना शामिल है। यह मामला वित्त वर्ष 2017-18 के लिए कंपनी द्वारा भुगतान किए गए आउटपुट टैक्स देयता के बजाय लौटाई गई सामग्री पर इनपुट टैक्स क्रेडिट को वापस न करने से संबंधित है।

अडानी समूह ने केएसके महानदी पावर के लिए लगाई ऊंची बोली

एजेंसी

मुंबई। अडानी समूह अपने पोर्टफोलियो में तेजी के साथ बढ़ोतरी कर रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अडानी पावर ने दिवाला कार्यवाही के तहत चल रहे केएसके महानदी पावर के 1,800 मेगावाट के प्लांट के लिए 27,000 करोड़ रुपए की सबसे ऊंची बोली लगाई है। बोली लगाने वाली कंपनियों की लिस्ट में एनटीपीसी भी शामिल है। गौरतलब है कि अडानी पावर की तरफ से बोली की रकम से 92 प्रतिशत कर्जदाताओं की रिकवरी हो जाएगी। कंपनी के ऊपर कुल 32,240 करोड़ रुपए का कर्ज बताया जा रहा है। शुक्रवार को अडानी पावर के शेयर 1।54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 726।40 रुपए के स्तर पर बंद हुआ था। पिछले 6 महीने के दौरान अडानी पावर के शेयरों की कीमतों में 33 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी ने बताया कि बैंकों को कुल 10 वित्तीय बोलियां प्राप्त हो चुकी हैं। रिपोर्ट के अनुसार अडानी पावर के अलावा कैप्री ग्लोबल होल्डिंग्स, कोल इंडिया, एनटीपीसी, वेदांता, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, नविन जिंदल के मालिकाना हक वाली कंपनी जिंदल स्टील एंड पावर, आईलैब इंडिया स्पेशल फंड, रश्मि मेटालिक्स और श्रीशा होल्डिंग्स है। इसी साल फरवरी में जानकारी मिली थी कि केएसके महानदी पावर के लिए एनटीपीसी ने भी बोली लगाई है। सरकार कंपनी ने 5000 करोड़ की वैल्यूएशन तय किया था। जबकि अब अडानी पावर उस वैल्यूएशन 5 गुना अधिक मूल्य अदा करने को तैयार है। तब एनटीपीसी की बोलीं की रकम की जानकारी सामने नहीं आई थी।

विदेशी मुद्रा भंडार 671 बिलियन डॉलर के ऑलटाइम हाई पर

नई दिल्ली। लगातार तीसरे हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार नए ऐतिहासिक हाई पर जा पहुंचा है। बैंकिंग सेक्टर के रेग्यूलेटर भारतीय रिजर्व बैंक ने फॉरेक्स रिजर्व का डेटा जारी किया है, जिसके मुताबिक पहली बार विदेशी मुद्रा भंडार 670।85 बिलियन डॉलर के ऑलटाइम हाई पर जा पहुंचा है। इससे पहले हफ्ते में ये 666।85 बिलियन डॉलर रहा था। तीन हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार में 19 बिलियन डॉलर की बढ़ोतरी आयी है जबकि ये लगातार नौवां हफ्ता है जब रिजर्व 650 बिलियन डॉलर के ऊपर बना हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 19 जुलाई, को विदेशी मुद्रा भंडार का आंकड़ा जारी किया।

दिसंबर में आयेगा दुनिया का सबसे पावरफुल एआई ग्रोक

एजेंसी

मुंबई। एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) ने दुनिया में अपनी जगह बनाना शुरू कर दिया है। सभी क्षेत्रों में धीरे-धीरे एआई का उपयोग किया जा रहा है। गूगल, ओपनएआई और मेटा ने भी अपने एआई चैटबॉट के साथ इसका इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। एआई की बढ़ती लोकप्रियता के बीच टेस्ला कंपनी के सीईओ एलन मस्क ने भी एआई को लेकर बड़ा ऐलान कर दिया है। जी हां आपने सही सुना। एलन मस्क दुनिया का सबसे का सबसे पावरफुल अककलस्टर लाने वाले है। मस्क का एआई वेंचर ७अकहै। इसके एआई प्लेटफॉर्म का नाम है। एक्स के एआई स्टार्टअप ने अपने लार्ज लैंग्वेज मॉडल को ट्रेनिंग देना शुरू कर दिया है। यह ट्रेनिंग मॅम्फिस में शुरू हुई है, जो अमेरिका के टेनेसी राज्य का सबसे बड़ा नगर है। मॅम्फिस में एक सिस्टम लगाया है, जिसमें फैब्रिक पर 1,00,000 लिक्विड-कूल्ड के साथ 100 चिप्स का इस्तेमाल किया गया है। मस्क ने एक्स पर पोस्ट कर दी जानकारी एलन मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अपने एआई वेंचर के बारे में जानकारी दी है। मस्क ने अपने पोस्ट में मेंफिस सुपरक्लस्टर ट्रेनिंग शुरू करने के लिए टीम, और को थैंक्यू कहा है। साथ ही उन्होंने बताया कि एक फैब्रिक पर 100' लिक्विड के साथ यह दुनिया का सबसे शक्तिशाली अक प्रशिक्षण क्लस्टर है। यानी एलन मस्क ने अपने एआई वेंचर को दुनिया का सबसे शक्तिशाली अक ट्रेनिंग क्लस्टर बताया है। एलन मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंनेए क अन्य पोस्ट में एलम मस्क ने कहा कि दुनिया के सबसे पावरफुल अकका फायदा सभी को मिलेगा। यह दिसंबर महीने से शुरू हो सकता है।

बिजली के खम्बों से डार्क फाइबर लाइन से 5जी इंटरनेट की कनेक्टिविटी

एजेंसी

भोपाल। भारत की चार प्रमुख टेलीकॉम कंपनियों ने मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी से एक अनुबंध किया है। इस अनुबंध के अनुसार मध्य प्रदेश के बिजली के खम्भों पर टेलीकॉम कंपनियां ऑप्टिकल ग्राउंड वायर बिछाएंगी। विद्युत आपूर्ति के लिए बिजली के खंबे दूर दराज तक के इलाकों में फैले हुए हैं। इसके माध्यम से टेलीकॉम कंपनियां 5ळकी सेवाएं गांव-गांव तक पहुंचाने का काम करेगी। मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने जानकारी देते हुए बताया, नियामक आयोग से मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने अनुमति मांगी थी। नियामक आयोग से कंपनी को परमीशन मिल गई है। इस परमिशन के बाद टेलीकॉम कंपनियां 43400 किलोमीटर मे डार्क फाइबर लाइन डाल सकेंगी। अभी 6000 किलोमीटर पर 24 पेयर की फाइबर लाइन बिछाई जा चुकी है। आयोग से अभी 11000 किलोमीटर मे फाइबर लाइन बिछाने की अनुमति दी है। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के एमडी सुनील तिवारी के अनुसार ऑप्टिकल ग्राउंड वायर के माध्यम से हाई स्पीड डेटा को टेलीकॉम कंपनियां अपने उपभोक्ताओं तक भेज सकेंगी।

टाटा संस की रिस्ट्रक्चरिंग योजना से सहमत हुआ आरबीआई

एजेंसी

मुंबई। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस ने अनिवार्य लिस्टिंग से छूट मांगी है। इसके लिए टाटा संस ने आरबीआई को एक रिस्ट्रक्चरिंग योजना सौंपी है। सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय बैंक कंपनी की योजना से सहमत है। टाटा संस ने पहले ही इस योजना के कुछ हिस्सों को लागू किया है। इसमें कंपनी का कर्ज खत्म करना शामिल है। इस योजना के बाद टाटा संस को अपर लेयर गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाएगा। हालांकि इसके लिए कंपनी को कुछ रेगुलेटरी शर्तों को पूरा करना होगा। इसके बाद टाटा संस को स्टॉक एक्सचेंजों में खुद को लिस्ट करने की आवश्यकता नहीं होगी। सूत्रों ने बताया कि योजना के अनुरूप टाटा संस ने आरबीआई के नियमों के मुताबिक अपनी बैलेंस शीट को जीरो-डेट वाली कंपनी के रूप में पुनर्गठित किया है। रिपोर्ट के अनुसार 30 सितंबर, 2023 को कंपनी पर 15,200 करोड़ रुपये का कर्ज था। साथ ही कंपनी के पास 2,500 करोड़ से अधिक की स्टैंडअलोन कैश और कैश इक्विवेलेंट था। अक्टूबर 2021 में आरबीआई के एक सर्कुलर में कहा था कि एनबीएफसी-अपर लेयर के रूप में क्लासीफाई कंपनियों को तीन साल के भीतर अनिवार्य रूप से लिस्ट किया जाना चाहिए। केंद्रीय बैंक ने 2022 में टाटा संस को अपर लेयर-एनबीएफसी के रूप में वर्गीकृत किया था। इसका मतलब था कि कंपनी को सितंबर 2025 तक लिस्ट होना था। सूत्रों का कहना है कि ग्रुप की सभी कंपनियों में टाटा संस की भविष्य में फंडिंग कैश रिजर्व से की जाएगी। टाटा ग्रुप की 26 लिस्टेड कंपनियों की कुल वैल्यू 400 अरब है। एक कार्यकारी ने कहा कि टाटा संस देश की इकॉनमी और मार्केट पर अपने वित्तीय प्रभाव से अच्छी तरह वाकिफ है और पिछले कुछ महीनों से आरबीआई द्वारा सुझाए गए स्ट्रक्चर का पालन करने के लिए काम कर रहा है। टाटा संस ने साल 2017 में खुद को पब्लिक लिमिटेड कंपनी से प्राइवेट लिमिटेड में बदल लिया था। इस बारे में टाटा ग्रुप के भीतर काफी बहस हुई थी। यह सहमति बनी की लिस्टिंग कोई विकल्प नहीं है। इसलिए रिस्ट्रक्चरिंग के माध्यम से नियमों का पालन किया गया।

लेक्सस एलएम 350 एच की डिलीवरी प्रारंभ

नई दिल्ली। भारत में लेक्सस एलएम 350 एच गाड़ी की डिलीवरी प्रारंभ हो गई है। लेक्सस एलएम 350 एच में 2।5-लीटर, 4-सिलेंडर सेल्फ-चार्जिंग हाइब्रिड इंजन दिया है, जो 250एचपी का संयुक्त पावर आउटपुट और 239 एनएम पीक टॉर्क देता है। यह ईसीवीटी गियरबॉक्स के साथ आता है। इस गाड़ी में एयरलाइन-स्टाइल रिक्लाइनर सीटें, एक 48-इंच टीवी, एक 23-स्पीकर सराउंड-साउंड ऑडियो सिस्टम, पिलो-स्टाइल हेडरेस्ट, फोल्ड-आउट टेबल, गर्म आर्मरेस्ट और ओटोमैन, कई यूएसबी पोर्ट, वायरलेस फोन चार्जर, रीडिंग लाइट, वैनिटी मिरर, एक फ्रिज, रियर ग्लवबॉक्स, अडास तकनीक, गतिशील रडार क्रूज नियंत्रण, स्टीयरिंग सहायता के साथ लेन।

ईपीएफओ ने करोड़ों पीएफ खाताधारकों के लिए नए नियम किए पेश

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सभी पीएफ खाताधारकों के लिए पीएफ खातों में विवरण को सही करने और अपडेट करने के लिए कुछ नए नियम पेश किए हैं। ईपीएफओ ने पर्सनल जानकारी जैसे नाम, डेट ऑफ बर्थ को सही करने के लिए नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) गाइडलाइन जारी किया है, जिसके तहत सदस्यों के प्रोफाइल को अपडेट करने के लिए एसओपी वर्जन 3।0 की मंजूरी दे दी गई है। अब इस नए नियम के बाद यूएएन प्रोफाइल में सुधार के लिए दस्तावेज देने होंगे। साथ ही डिक्लेयरेशन देकर आवेदन कर सकते हैं। ईपीएफओ ने अपने गाइडलाइन में कहा कि अक्सर देखा जाता है कि कई तरह की गलतियां होती हैं, जिसे सुधारने के लिए लोगों को बड़ी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। यह परेशानी डेटा अपडेट नहीं होने के कारण होता है। ऐसे में ये गाइडलाइन पेश की गई है। नए गाइडलाइन के मुताबिक नए निर्देश के तहत ईपीएफओ ने प्रोफाइल में होने वाले बदलावों को मेजर और माइनर श्रेणियों में बांटा है। माइनर बदलावों को संयुक्त घोषणा रिक्वेस्ट के साथ कम से कम दो जरूरी दस्तावेज पेश करने होंगे। वहीं बड़े सुधार के लिए कम से कम तीन आवश्यक दस्तावेज सबमिट करने होंगे। इसमें फील्ड कार्यालयों को सदस्यों की प्रोफाइल को अपडेट करने में ज्यादा सावधानी बरतने को कहा गया है, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी या धोखाधड़ी ना हो सके। वहीं बड़े बदलावों के लिए कम से कम तीन जरूरी दस्तावेज देने होंगे। यह ध्यान रखना जरूरी है कि आधार से जुड़े बदलावों के मामले में, आधार कार्ड या एक्टिव मोबाइल नंबर से जुड़ा ई-आधार कार्ड सहायक दस्तावेज के तौर पर काफी होगा।

जकार्ता में एआईटीआईजीए की 5वीं संयुक्त समिति की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौता (एआईटीआईजीए) संयुक्त समिति की 5वीं बैठक 29 जुलाई से एक अगस्त, 2024 तक इंडोनेशिया के जकार्ता में हुई। इस बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल और मलेशिया के निवेश, व्यापार और उद्योग मंत्रालय के उप महासचिव (व्यापार) मस्तूरा अहमद मुस्तफा ने की। इसमें सभी दस आसियान देशों और भारत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि इंडोनेश्यिा के जकार्ता में एआईटीआईजीए की 5वीं संयुक्त समिति की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक में आसियान और भारत के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई, जिसमें आसियान-भारत व्यापार संबंधों को आगे बढ़ाया गया। इसकी समीक्षा से व्यापार वृद्धि के लिए नए रास्ते खुलने की उम्मीद है। एआईटीआईजीए संयुक्त समिति की अगली बैठक 19-22 नवंबर 2024 को भारत में होगी। उल्लेखनीय है कि आसियान भारत के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापार भागीदार बना हुआ है, जो भारत के वैश्विक व्यापार का लगभग 11 फीसदी है। आसियान-भारत सेवा व्यापार समझौते पर सभी पक्षों ने 13 नवंबर, 2014 को हस्ताक्षर किए थे। ये समझौता एक जुलाई 2015 को लागू हुआ था।

खंडेलवाल ने फिक्की कैस्केड ऑटो रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली। सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने शनिवार को फिक्की कैस्केड ऑटो रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। खंडेलवाल ने लोगों से तस्करी के खिलाफ मुहिम में शामिल होने की अपील भी की। उन्?होंने कहा कि नकली और तस्करी के बारे में जागरूकता फैलाना जरूरी है। इस अवसर पर फिक्की कैस्केड के चेयरमैन अनिल राजपूत भी मौजूद रहे। प्रवीण खंडेलवाल ने यहां भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के कैस्केड ऑटो रैली को रवाना करने के अवसर पर कहा कि तस्करी का हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बताया कि कई अवैध खिलाड़ी उन स्त्रोतों से मिलने वाले धन का उपयोग आतंकवाद के वित्त पोषण को बढ़ाने के लिए करते हैं। खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी आतंकी गतिविधियों की नींव उखाड़ दी है। लेकिन, आतंकवादी नेटवर्क अभी भी इन तस्करी नेटवर्क के जरिए धन जुटाकर सक्रिय रहने की कोशिश करते हैं। इसलिए इसके बारे में जागरूकता फैलाना महत्वपूर्ण है, हमें यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए कि तस्करी और नकली सामान हमारे बाजारों में प्रवेश न करें। इस मौके पर फिक्की कैस्केड के चेयरमैन अनिल राजपूत ने कहा कि जब हम सभी सामान वैध तरीके से खरीदेंगे और उन पर निर्धारित करों का भुगतान करेंगे, तो हमारा देश तेजी से प्रगति करेगा। इसके बिना, सरकार को अपने नागरिकों को आवश्यक सेवाएं प्रदान करना मुश्किल हो जाएगा। तस्करी की गतिविधियों से न केवल नौकरी छूटने और राजस्व रिसाव के रूप में अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ता है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और संरक्षा पर भी इसका प्रभाव पड़ता है। ऑटो रैली तानसेन मार्ग, मंडी हाउस, बाराखंभा रोड, आउटर सर्किल कनॉट प्लेस और बाराखंभा रोड से होते हुए फिक्की हाउस में समाप्त हुई। दरअसल पिछले पिछले दशक में एफएमसीजी पैकेज्ड फूड सेगमेंट में अवैध व्यापार बाजार का आकार लगभग 600 फीसदी बढ़ा है, इसके बाद शराब, एफएमसीजी, व्यक्तिगत सामान और तंबाकू का स्थान है, जो क्रमशः 317 फीदसी, 270 फीसदी और 155 फीसदी है। उल्लेखनीय है कि भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) ने 18 जनवरी, 2011 को नई दिल्ली स्थित फिक्की फेडरेशन हाउस में 'अर्थव्यवस्था को नष्ट करने वाली तस्करी और जालसाजी गतिविधियों के विरुद्ध समिति' (कैस्केड) की स्थापना की थी। इस समिति का मकसद पूरे भारत में तस्करी, प्रतिबंधित और नकली उत्पादों के इस्तेमाल के असर को लेकर लोगों को जागरूक करना है।

स्मार्टफोन पोको एम6 प्लस भारत में लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में स्मार्टफोन पोको एम6 प्लस को लॉन्च कर दिया गया है। पोको के इस लेटेस्ट स्मार्टफोन में 120 एचझेड एलसीडी डिस्प्ले, 33वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट, 108एमपी रियर कैमरा और 5030 एमएएच की बैटरी जैसे फीचर्स दिए गए हैं। पोको एम6 प्लस 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6।79 इंच का एलसीडी डिस्प्ले है और फ्रंट पर कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास 3 प्रोटेक्शन भी है। डिस्प्ले का रिजॉल्यूशन 2400 गुणा1080 पिक्सल है और हाई ब्राइटनेस मोड में इसकी पीक ब्राइटनेस 550 निट्स है (सामान्य ब्राइटनेस 450 निट्स है)। इस स्मार्टफोन में अड्रेनो ए 613 जीपीयू के साथ क्वालकॉम स्नैपड्रेगन 4जेन 2 एई प्रोसेसर मौजूद है। इस प्रोसेसर के साथ 8जीबी तक रैम और 128जीबी स्टोरेज दी गई है।

सावन के पवित्र माह में बेलपत्र का पौधा लगाना बेहद शुभ

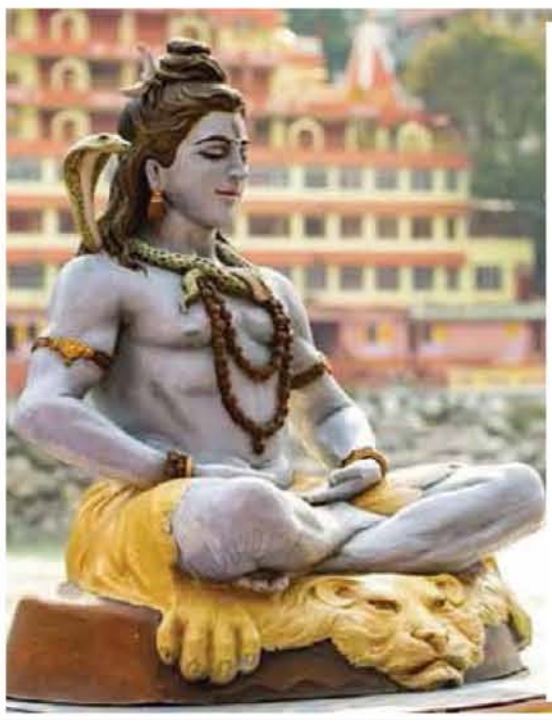

सावन का महीना चल रहा है। यह भगवान शिव का प्रिय महिना माना जाता है। मान्यता है कि इस पवित्र माह में शिवजी की पूजा-आराधना करने से जातक को जीवन के समस्त दुख और कष्टों से छुटकारा मिलता है। देवों के देव महादेव की कृपा पाने के लिए सावन माह में घर में बेलपत्र का भी पौधा लगा सकते हैं। ज्योतिष में घर में बेलपत्र का पौधा लगाना शुभ फलदायी माना गया है। भोलेनाथ को भी बेलपत्र अतिप्रिय है। मान्यता है कि जिस घर में बेलपत्र का पौधा होता है, वहां परिवार के प्रत्येक सदस्यों पर शिवजी मेहरबान रहते हैं और धन, सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। ऐसे में अगर आप भी सावन माह में बेलपत्र का पौधा घर में लगाना चाहते हैं, तो वास्तु की कुछ बातों का जरूर ध्यान रखें।

बेलपत्र लगाने के वास्तु नियम :

वास्तु के अनुसार,घर की उत्तर या पश्चिम दिशा में बेल पत्र का पौधा लगाना लाभकारी माना गया है।

नेगेटिविटी दूर करने के लिए घर के आंगन में भी बेल पत्र का पौधा लगा सकते हैं। मान्यता है की इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

यह भी कहा जाता है कि घर में बेल पत्र का पौधा होने से घर के सदस्यों को चंद्र दोष से मुक्ति मिलती है।

सावन माह में बेलपत्र के पौधे की पूजा करना बेहद शुभ होता है। मान्यता है कि बेल पत्र के पेड़ पर लाल रंग का धागा या कलावा बांधने से कुंडली में राहु के अशुभ प्रभावों से छुटकारा मिलता है।

वहीं, पेड़ की जड़ में लाल धागा या कलावा बांधने और नियमित जल अर्पित करने से पितृ दोष के कारण होने वाली परेशानियों से राहत मिलता है।

वास्तु के अनुसार, चतुर्थी, अष्टमी,नवमी,चतुर्दशी और अमावस्या तिथि को बेल पत्र नहीं तोड़ना चाहिए। सोमवार के दिन बेलपत्र तोड़ने से बचें।

लाइफस्टाइल में बदलाव का बेस्ट टाइम

अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव लाने के लिए ध्यान देने अत्यंत आवश्यकहै। हालांकि, इसके लिए आपको खुद से कुछ वादे करने होंगे। लाइफ में कामयाबी पाने के लिए आप खुद से ये वादे कर सकते हैं। अपने काम और जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए। आपको कामयाबी हासिल करने के लिए स्लीप साइकिल पर ध्यान देना

स्लीप साइकिल पर दें ध्यान

रात की खराब नींद से कई समस्याएं हो सकती हैं। अपनी स्लीप साइकिल में सुधार करने के लिए प्लानिंग करें। हर रात अच्छी नींद पाने के लिए रूटीन को फॉलो करें। अच्छी नींद आपको एक्टिव रहने में मदद करती है, साथ ही ये पूरे दिन काम करने के लिए जरूरी है। कामयाबी हासिल करने के लिए स्लीप साइकिल पर ध्यान देना जरूरी है। शुरुआत से पहले खुद से वादा करें कि आप समय पर सोने की कोशिश करेंगे।

मेडिटेशन से मिलेगा फायदा

ध्यान या मेडिटेशन उन लोगों के लिए एक रामबाण के रूप में काम करता है जो टाइम मैनेजमेंट करके अपने काम और जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। रोजाना ध्यान के कुछ मिनट यकीनन आपको शांत रहने में मदद करते हैं। खुद से मेडिटेशन करने का वादा करें।

समय को महत्व दें

अगर आपको जीवन में सफल होना है तो इसका सबसे बड़ा सूत्र है कि आपको अपने और सामने वाले के समय की कद्र करनी है। कोशिश करें कि आप खुद भी कभी अपना समय बर्बाद ना करें। जो व्यक्ति अपने समय की कद्र करता है वही व्यक्ति दूसरे के समय की भी कद्र कर सकता है।

सीखने की चाह रखें

कामयाबी पाने के लिए हमेशा खुद को सीखने के चरण में रखें। हमेशा कुछ न कुछ सीखते रहें। आपके आस पास के माहौल से आपको बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है।

घर पर करें पार्लर जैसा मेकअप

अगर घर में ही तैयार होने के प्लान है तो इन मेकअप टिप्स को फॉलो करें। मेकअप करने के लिए आप किसी भी त्योहार चाहे करवा चौथ हो या अन्य सोलह श्रृंगार का महत्व होता है। पति की लंबी आयु के लिए महिलाएं करवा चौथ का व्रत करती हैं और खूब सज-संवर कर तैयार होती है। हर महिला इस दिन सबसे खूबसूरत दिखना चाहती है। करवा चौथ पर मेहंदी से लेकर साड़ी हर चीज बेस्ट होनी चाहिए। महिलाएं इस खास दिन को मनाने के लिए पार्लर में जाकर तैयार होती हैं। हालांकि करवा चौथ पर पार्लर में भारी भीड़ होती है। ऐसे में अगर आप पार्लर जाकर घंटों बर्बाद नहीं करना चाहतीं तो घर में मेकअप कर सकती हैं। बिना मेकअप के फोटो और साड़ी का लुक अधूरा लगता है। आज हम आपको घर में पार्लर जैसा मेकअप करना बता रहे हैं। आप अपनी स्किन टाइप और कलर से हिसाब से अच्छा मेकअप कर सकती हैं। बस इन टिप्स को फॉलो करें।

प्राइमर

मेकअप का पहला स्टेप शुरू होता है आपके फेस की क्लीनिंग से, कोई भी मेकअप करने से पहले चेहरे को फेसवॉश से धो लें और सुखा लें। अब आपको फेस पर प्राइमर लगाना है। इससे चांद निकलने तक आपका मेकअप बिल्कुल भी खराब नहीं होगा।

कंसीलर

अब अगर आपकी आंखों के आस-पास डार्क सर्कल हैं या फिर चेहरे पर किसी तरह के धब्बे हैं तो उन्हें छुपाने के लिए कंसीलर का इस्तेमाल करें। कंसीलर स्टिक से उन जगहों को छुपा लें।

फाउंडेशन

अब अपनी स्किन टोन के हिसाब से चेहरे पर फाउंडेशन लगाएं। इससे आपका फेस ग्लो करेगा और स्किन एकदम स्मूद दिखने लगेगी। मार्केट में लिक्विड फाउंडेशन आसानी से मिल जाते हैं जिन्हें लगाना आसान होता है। अगर स्किन ड्राई है तो पहले थोड़ा मॉयस्चराइजर लगा लें। चेहरे के अलावा गर्दन पर भी फाउंडेशन लगा लें।

कॉम्पेक्ट पाउडर

फाउंडेशन के बाद मेकअप का अगला स्टेप है पूरे फेस पर कॉम्पेक्ट पाउडर लगाने का। फेस पाउडर या कॉम्पेक्ट मेकअप को स्मज करने का काम करेगा। स्किन टोन के हिसाब से ही कॉम्पेक्ट अप्लाई करें। कॉम्पेक्ट लगाने से मेकअप अच्छी तरह सेट हो जाता है।

आई शैडो

अब अपनी ड्रेस के हिसाब से मैचिंग आई शैडो लगाएं। आप चाहें तो सिर्फ सिल्वर या गोल्डन शेट वाले आई शैडो का इस्तेमाल कर सकते हैं। आजकल ऐसे आई शैडो मिलते हैं जो लंबे समय तक चलते हैं। अगर आपकी आंखें छोटी हैं तो डार्क कलर का मैट फिनिश आई शैडो अप्लाई करें।

मस्कारा-लाइनर

इसके बाद आई मेकअप में जरूरी है मस्कारा और आई लाइनर, जो आपकी आंखों को अट्रैक्टिव बनाता है। आंखों को खूबसूरत बनाने के लिए मस्कारा जरूर लगाएं। उम्र दराज महिलाएं ट्रांसपेरेंट मस्कारा लगा सकती है। अगर आप लिप्स को हाईलाइट करना चाहती हैं तो आई मेकअप थोड़ा हल्का ही रखें।

लिपस्टिक

वैसे तो साड़ी पर रेड, मरून या पिंक कलर के डार्क शेड अच्छे लगते हैं। आजकल मैट फिनिश में न्यूड शेड भी ट्रेंड में हैं तो आप कोई भी कलर जो आपको पसंद हो लिप्स पर अप्लाई कर लें। ब्रश या लिप लाइनर से लिपस्टिक अच्छी तरह से लगती है। लंबे समय तक लिपस्टिक को बनाए रखने के लिए मैट फिनिश लिप कलर लगाएं।

बथुआ का जूस पीने के फायदे

बथुआ एक हरे पत्तेदार सब्जी है,जोकि सर्दियों के मौसम में पाई जाती है। बथुआ विटामिन ए, कैल्शियम, पोटैशियम और फॉस्फोरस जैसे गुणों से भरपूर होता है। इसके अलावा बथुए की तासीर गर्म होती है इसलिए सर्दियों में इसके सेवन से आपके शरीर को कई बेहतरीन लाभ प्राप्त होते हैं। ऐसे में आज हम आपके लिए बथुआ का जूस पीने के फायदे लेकर आए हैं। इसके सेवन से आपका दिल और पाचन तंत्र हेल्दी बना रहता है। इतना ही नही रोजाना सर्दियों में बथुए के जूस को पीने से आपका खून भी साफ होता है, तो चलिए जानते हैं बथुआ का जूस पीने के फायदे-

दिल को हेल्दी बनाएं

अगर आप रोजाना बथुआ का जूस का सेवन करते हैं तो इससे आपका दिल हेल्दी बना रहता है। इसके सेवन से दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम हो जाता है साथ ही इससे आपकी हार्ट बीट संतुलित बनी रहती है। बथुए के जूस के सेवन से आप हार्ट अटैक जैसी समस्या से बचे रहते हैं।

किडनी स्टोन में उपयोगी

अगर आप बथुआ के जूस में शक्कर मिलाकर सेवन करते हैं तो इससे आपकी किडनी में मौजूद पथरी को निकालने में मदद मिलती है। इसका सेवन कुछ दिनों में स्टोन आपके यूरिन के जरिए आसानी से निकल जाता है।

पाचन को हेल्दी रखे

अगर आप पेट से जुड़ी सम्याएं जैसे कब्ज, गैस या अपच से जूझ रहे हैं तो ऐसे में आपके लिए बथुए का जूस बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके सेवन से आपको खट्टी डकार और भूख में कमी को भी दूर करने में मदद मिलती है।

बल्ड प्यूरिफाई करे

अगर आप बथुए में नीम की 2-3 पत्तियां डालकर जूस बनाकर पीते हैं तो इससे आपका बल्ड प्यूरिफाई होता है। इसके साथ ही इस जूस के सेवन से आपका ब्लड सर्कुलेशन बी बेहतर बना रहता है।

चाय को बनाने के लिए सही तरीका अपनाएं

चाय दवा का असर करती है, लेकिन अगर इसे ठीक से बनाया जाए। अब आप सोच रहे होंगे चाय बनाना कौन सी कला है। चाय तो हर कोई बना लेता है। बच्चों को भी चाय बनानी आ जाती है। ये बात ठीक है कि चाय हर कोई बना लेता है लेकिन हेल्दी चाय हर कोई नहीं बना पाता। अक्सर हम चाय बनाते वक्त ऐसी छोटी-छोटी गलतियां कर बैठते हैं जिससे चाय फायदे की जगह नुकसान करती है। चाय बनाते वक्त अगर आपने ये गलतियां कर दीं तो आपके सुबह शाम की चाय जहर बन सकती है। जी हां चाय को पकाने, पत्ती डालने, दूध मिलाने से लेकर चाय को बनाने तक का सही तरीका देखे...

- परफेक्ट चाय बनाने के लिए सबसे पहले दूध को एक पैन में डालकर उबाल लें और दूसरे पैन में 1 बड़ा कप पानी उबलने के लिए रख दें। जब पानी में उबाल जाए तो इसमें करीब 1 टीस्पून चाय की पत्ती डाल दें और साथ ही आपको अदरक, इलाइची या फिर तुसली या कोई मसाला डालना हो तो अपनी पसंद के हिसाब से डाल दें।
- अब इसे सिर्फ 5 मिनट के लिए मीडियम फ्लेम पर उबालें और फिर करीब आधा कप से थोड़ा ज्यादा दूध और 1 स्पून चीनी मिला दें।
- अब चाय को हाई फ्लेम पर सिर्फ 2 से 3 उबाल लगाएं और गैस बंद कर दें। इस तरह बनने वाली चाय ज्यादा नुकसान नहीं करती है।
- वैसे चाय बनाने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप चाय पत्ती और कोई फ्लेवर डालकर पानी को उबाल लें और छान लें।
- फिर कप में उबला हुआ दूध और चीनी एक साथ मिक्स करें। ये चाय आपको बिल्कुल भी नुकसान नहीं पहुंचाएगी।
- चाय बनाते वक्त हमेशा चाय बनाने में लगने वाले समय का ध्यान रखें। आपको 6 मिनट से ज्यादा चाय को नहीं उबालना चाहिए।
- बार बार चाय की पत्ती का इस्तेमाल करना, एक ही पैन में बार बार चाय बनाना, चाय को बहुत देर तक उबालना, बनी हुई चाय को फिर से उबालकर पीना ये सारी चीजें चाय को सेहत के लिए जहर बना देती हैं।

नींबू के पत्तों के फायदे

नींबू का इस्तेमाल घरों में पूरे साल होता है, दाल का स्वाद बढ़ाने से लेकर शिकंजी तक सब में नींबू का उपयोग होता है। इसके साथ ही नींबू के सेहत के लिए भी अनेक फायदे हैं, वजन कम करना हो तो गर्म पानी में नींबू और शहद मिलाकर पिया जाता है तो वहीं पेट की समस्या खत्म करने के लिए भी नींबू यूज होता है। लेकिन नींबू के अलावा इसके पत्ते भी बेहद गुणकारी हैं, यहां हम नींबू के पत्तों के फायदे बताने वाले हैं।

रोजाना नींबू की पत्तियां चबाने से स्ट्रेस यानी तनाव कम होता है। नींबू की पत्तियों में कई ऐसे गुण पाए जाते हैं, जिनसे स्ट्रेस कम होता है। नींबू के पत्तों को सूंघनें पर इसमें भीनी खुशबू आती है।

नींबू की तरह ही इसकी पत्तियों में भी विटामिन सी पाया जाता है, जो कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी बढ़ाने का काम करता है। इसके सेवन से आप मौसम बदलने के दौरान फैलने वाले इंफेक्शन से बच सकते हैं। नींबू की पत्तियों को चबाने से आपकी वजन कम करने की जर्नी आसान हो सकती है। नींबू का पेड़ आपको किसी भी पार्क में मिल सकता है, इसके अलावा आप घर में भी नींबू का पेड़ लगा सकते हैं। तनाव के कारण होने वाले सिर दर्द में भी नींबू की पत्तियां फायदेमंद साबित होती है। रोजाना नींबू की पत्तियों को चबाकर खाने से आप सिर दर्द जैसी समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। नींबू की पत्तियों में विटामिन सी होता है, जो कि स्किन का ग्लो बरकरार रखने के लिए लाभदायक होता है।

प्राकृतिक तरीके से करें सफ़ेद बालों को काला

वर्तमान समय की जीवनशैली और खानपान इतना असंतुलित हो गया हैं कि इसका असर सेहत के साथ ही बालों पर भी दिखाई देता हैं जिसकी वजह से समय से पहले बालों में सफेदी आने लगती हैं। पहले जहां ये समस्या 40 की उम्र के बाद देखी जाती थी, मगर अब कम उम्र के लोग भी सफेद बालों से जूझ रहे हैं। ऐसे में जरुरी हैं कि बालों का सही ख्याल रखा जाए। इसके लिए बाजार में मिलने वाले प्रोडक्ट्स की जगह प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करना बेहतर साबित होता हैं। इसलिए आज इस कड़ी में हम आपको कुछ ऐसे प्राकृतिक तरीकों की जानकारी देने जा रहे हैं जिनकी मदद से प्राकृतिक तरीके से सफ़ेद बालों को काला किया जा सकता हैं। तो आइये जानते हैं इन तरीकों के बारे में।

नारियल तेल

करी पत्ता का इस्तेमाल सदियों से चिकित्सकीय कारणों से होता आया है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फर्म टेक रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में भी लिखा है कि करी पत्ता सफेद बालों को ठीक करने के साथ ही समय से पहले सफेद होते बालों को रोकता है। इसे बनाने के लिए आपको करी पत्ता को नारियल तेल या जोजोबा ऑयल में मिलाना है। इस मिश्रण को तब तक गर्म करें, जब तक कि इसका रंग हल्का काला ना हो जाए। इसे ठंडा होने दें और फिर इस तेल को हौले से अपने स्कैल्प पर लगाएं। बढ़िया परिणाम के लिए रात भर लगे रहने दें।

मेहंदी

यह मिश्रण सफेद बालों को काफी हद तक काला करता है। इसे तैयार करने के लिए मेहंदी को गर्म ब्लैक कॉफी में मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को तीन- चार घंटे के लिए बालों पर लगा कर रखें। आप चाहें तो इसमें अंडे, ऑलिव ऑयल और दही भी मिला सकते हैं। यह बालों और स्कैल्प को हेल्दी भी रखता है।

प्याज का रस

प्याज का रस बालों के लिए बहुत फायदेमंद है। यह बालों में कालापन लाने के लिए भी बढ़िया इलाज है। इसमें कैटेलेस होता है। यह एक ऐसा एंजाइम है जो प्राकृतिक रूप से आपके बालों को काला करता है। आप 2 या 3 प्याज को काट कर उसे मिक्सर में चला लें। अब एक बारीक सूती कपड़ा लेकर उसमें इस मिश्रण को छान लें। प्याज का जूस निकल जाएगा। अब इस जूस को अपने बालों और स्कैल्प पर लगाएं और आधे- एक घंटे के लिए छोड़ दें। बाद में शैम्पू कर लें।

काली चाय

काली चाय में टैनिक एसिड होता है, जो आपके बालों को काला करता है और इसमें चमक भी बनाए रखता है। सालों से दादी- नानी इस नुस्खे को अपनाती आई हैं। इसे तैयार करने के लिए आपको चाहिए 2 चम्मच चाय पत्ती या 2 से 3 टी बैग्स। इसे पानी में डाल कर उबाल लें, ध्यान रखें कि आपको इसमें चीनी नहीं डालनी है। इसे ठंडा होने दें। अपने बाल सादे पानी से भिगो लें और इस काली चाय वाले पानी को बालों पर डालें। आधे घंटे बालों पर लगे रहने दें और फिर सही तरीके से धो लें।

सना मकबूल के बिग बॉस ओटीटी 3 जीतने से रणवीर शौरी खुश नहीं

एक्ट्रेस-मॉडल सना मकबूल 'बिग बॉस ओटीटी 3' की विनर बन चुकी हैं। शो में सना की जर्नी काफी उतार-चढ़ाव भरी रही। सना का बेबाक अंदाज दर्शकों को काफी पसंद आया। दर्शकों का समर्थन हासिल करने वाली सना ने ट्रॉफी के साथ 25 लाख रुपए की प्राइज मनी जीती। वहीं नेजी शो के फर्स्ट रनरअप और रणवीर शौरी सेकेंड रनरअप रहे। रणवीर शौरी को 'बिग बॉस ओटीटी 3' का विनर माना जा रहा था।

लेकिन वह टॉप 3 में आकर आउट हो गए। सना की जीत से रणवीर शौरी बिल्कुल भी खुश नहीं हैं। उन्होंने सना मकबूल को 'नॉन डिजर्विंग' विनर बताया है। शो के बाद रणवीर शौरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, अगर सिर्फ सोशल मीडिया फॉलोइंग के आधार पर शो में रहेंगे, तो उससे अच्छा ये है कि जिसकी सबसे ज्यादा सोशल मीडिया फॉलोइंग है उसको सीधा ट्रॉफी दे दो। रणवीर ने कहा, सना के ट्रॉफी जीतने के बारे में मैं यही कहूंगा कि बिग बॉस का और जो वोटिंग हुई है उसको मैं सर आंखों पर मानता हूं। हालांकि मेरे हिसाब से उनसे ज्यादा डिजर्विंग लोग थे जीतने के लिए। जब रणवीर से पूछा गया कि उनके मुताबिक वो लोग कौन थे? इसपर उन्होंने कहा, मैं था अरमान था और भी लोग थे।

एक बार फिर से पोस्टपोन होगी अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2'?

अल्लू अर्जुन ने साल 2021 में पुष्पा बनकर जो धमाका किया था उनके फैन्स को एक बार फिर से उस धमाके का इंतजार है। लंबे समय से वो 'पुष्पा 2' को लेकर चर्चा में बने हैं। ये फिल्म पहले 15 अगस्त को रिलीज होने वाली थी, लेकिन फिर इसे दिसंबर के लिए पोस्टपोन कर दिया गया। हालांकि, अब ऐसा माना जा रहा है कि ये फिल्म एक बार फिर से पोस्टपोन हो सकती है। चलिए समझते हैं कि आखिर फिल्म की रिलीज में कहां पर दिक्कत हो रही है। एक खबर की मानें तो फिल्मी गलियारों में ऐसी बातें हो रही हैं कि फिल्म की रिलीज में देरी होने की वजह फहाद फासिल हैं। कहा जा रहा है कि उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग के लिए बल्क में डेट नहीं दिए। इस बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए कहा गया कि पहले फहाद ने 'पुष्पा 2' के लिए अपनी दो मलयालम फिल्में पोस्टपोन की थीं। लेकिन, फिर जैसे ही मेकर्स ने 'पुष्पा 2' को 6 दिसंबर के लिए पोस्टपोन किया तो फहाद नाराज हो गए। नाराज होने की वजह से फहाद अब शूटिंग के लिए डेट्स ही नहीं दे रहे हैं, क्योंकि अब उन्होंने अपनी मलयालम फिल्मों का शाम शुरू कर दिया है। ऐसे में 'पुष्पा 2' की शूटिंग में देरी हो रही है। वहीं ऐसी चर्चा है कि एक बार फिर से ये फिल्म पोस्टपोन हो सकती है। हालांकि, इस बारे में आधिकारिक तौर पर कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है। बहरहाल, अब देखना होगा कि आगे इस फिल्म को लेकर और क्या कुछ अपडेट सामने निकलकर आता है और मेकर्स फाइनल रिलीज डेट कब तक अनाउंस करते हैं। ऐसी भी खबर है कि जल्द ही रमोजी फिल्म सिटी में इस फिल्म के एक नए शेड्यूल की शूटिंग शुरू होगी।

जीवन के उतार-चढ़ाव पर बोलीं सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु अक्सर अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए प्रशंसकों के बीच छाई रहती हैं। वह कभी अपनी फिल्मों और करियर पर लिखती हैं। इन दिनों अभिनेत्री अपनी आने वाली सीरीज 'सिटाडेलः हनी बनी' को लेकर काफी सुर्खियों में चल रही हैं। इसी बीच अब अभिनेत्री ने जीवन में चुनौतियों से निपटने के बारे में बात की और बताया कि कहानी यहीं खत्म नहीं होती है। अपने निजी जीवन में कई असफलताओं का सामना करने के बावजूद हमेशा बेहतर तरीके से उभरने वाली सामंथा ने हाल ही में, अपनी आगामी सीरीज 'सिटाडेलः हनी बनी' के प्रचार के लिए मीडिया से बातचीत की। इस दौरान अपने जीवन में उतार-चढ़ाव से निपटने के बारे में बात की और अपने इसके साथ ही अपने फैंस का उत्साह भी बढ़ाया। एक इंटरव्यू सामंथा रूथ प्रभु से पूछा गया कि वह कैसे अपने जीवन के कई उतार-चढ़ावों से उबरकर मजबूती से उभरती हैं और कभी हार नहीं मानती हैं। इस पर अभिनेत्री ने कहा, मैं हार मान लेती हूं। मैं आपको यह नहीं बता सकती कि मैं हार नहीं मानती, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। मैं फिर से ऊपर उठती हूं। पिछले दिनों सामंथा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो साझा किया था, जो उनके फैंस को काफी पसंद भी आई थी, उसी के बारे में बताते हुए अभिनेत्री ने कहा, मुझे यह साझा करना पड़ा क्योंकि यह बहुत अच्छी सुबह थी और मैंने एक ऐसे व्यक्ति से यह लाइन सुनी थी, जिसका मैं सच में सम्मान करती हूं। उन्होंने आगे कहा, 'आप अपनी किस्मत उसी में पाएंगे, जो आपको परेशान करता है।'

सुनिधि चौहान ने बताया रियलिटी शो का काला सच

सुनिधि चौहान बॉलीवुड की मशहूर प्लेबैक सिंगर में से एक हैं। सुनिधि ने कई हिट गानों को अपनी आवाज दी है। इसके अलावा वह रियलिटी शोज में बतौर जज के रूप में भी नजर आ चुकी हैं। हाल ही में सुनिधि चौहान ने सिंगिंग इंडस्ट्री में ऑटो-ट्यून के इस्तेमाल से लेकर रियलिटी शोज के सच तक के बारे में इस दौरान खुलकर बात की। सुनिधि चौहान ने कहा कि आज के वक्त में रियलिटी शोज में कुछ भी असली नहीं होता है। सुनिधि चौहान ने कहा, रियलिटी शो अब बहुत बदल गए हैं, लेकिन पहले ऐसा नहीं था। अगर आपको याद होगा तो पहले दो सीजन में कोई स्टोरी नहीं होती थी। मस्तियां होती थीं।

सिंगर ने कहा, कोई खराब सिंगर आता था, जिसे हम कहते थे आप अगले सीजन में आना। वो सब स्क्रिप्टेड होता था। लेकिन, जो आप वहां सुन रहे हो वही टीवी पर जाता था। वो रियल होता था। लेकिन, अब जो आप टीवी पर देख रहे होते हैं वो सब स्क्रिप्टेड होता है। सुनिधि ने कहा, वह ये निश्चित करते हैं कि उनके शो में कोई भी बुरा सिंगर ना हो। फनी लगता है ना कि इसने इतना अच्छा गाया तो फिर ये एलिमिनेट क्यों हो गया। क्योंकि, इस पर तो आप खड़े भी हो गए थे, आप रो भी पड़े। आपने कहा कि आपने ओरिजनल से भी अच्छा गाया, तो फिर वो अगले एपिसोड में एलिमिनेट कैसे हो गया? क्योंकि, ऑडियंस को आपके शब्दों पर बहुत भरोसा होता है। उन्होंने कहा, वह कभी-कभी ऊपर-नीचे हो सकता है, लेकिन उन्हें लगता है कि अगर ये बोल रहे हैं तो सही होगा। फिर जब ऐसे लोगों को निकाल दिया जाता है तो ऑडियंस भी शॉक हो जाती है कि हमने तो इसे वोट किया था, फिर ये कैसे चला गया। सुनिधि ने कहा, मुझे ये सब बातें परेशान करने लगी थीं, इसलिए मैंने उसका हिस्सा बनना ही छोड़ दिया। फिर मैंने 'द वॉइस' किया, जिसमें मैंने अपनी कुछ शर्तें रखीं और उन्होंने भी मेरी शर्तें मानीं। उस शो में मुझे इस बात की संतुष्टि थी कि जो हम सुन रहे हैं वही ऑडियंस भी सुन रही है। मुझे ये धोखा करना बर्दाश्त नहीं होता, तो मुझे खुशी है कि मैं इस शो का हिस्सा थी, लेकिन अब मैं इस शो का हिस्सा नहीं हूं।

सुनील ग्रोवर को क्यों पसंद है लड़की बनना?

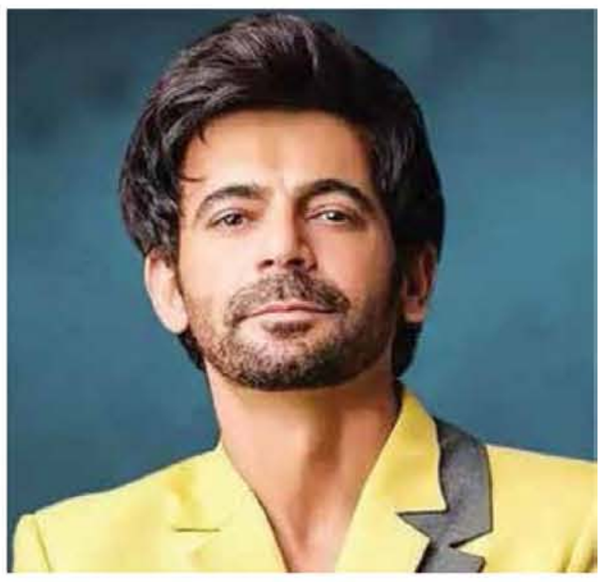

मशहूर कॉमेडियन और एक्टर सुनील ग्रोवर 3 अगस्त को अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। अपने अतरंगी अंदाज और अलग-अलग किरदारों से सुनील ने दर्शकों के बीच एक अलग ही जगह बनाई है। सुनील ग्रोवर ने गुत्थी, रिंकू भाभी और डॉ. मशहूर गुलाटी का किरदार निभाकर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की है। सुनील ग्रोवर को पर्दे पर महिलाओं का किरदार निभाना काफी पसंद है।

सुनील ग्रोवर ने कहा था कि लोगों को हंसाने के लिए पुरुषों का महिलाओं का किरदार निभाने का ट्रेंड तब तक चलते रहना चाहिए, जब तक ये दर्शकों को पसंद आ रहा है और आप उसे अच्छे से कर रहे हैं। उन्होंने कहा था, पुरुषों के रूप में जुड़ने से आसान मेरे लिए यह है (महिला किरदार)। इसलिए मैं टीवी पर महिला बनकर आता हूं। मुझे महिला बनना बहुत ज्यादा पसंद है। मेरा मानना है कि महिला कलाकारों को भी पर्दे पर पुरुषों का किरदार निभाना चाहिए। मेरे लिए यह महिला या पुरुष जैसा कुछ नहीं है, जब तक आप अच्छे से कर रहे हैं, तब तक दर्शक हंसते रहेंगे। मेरे लिए सिर्फ किरदार मायने रखना है, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह महिला का है या पुरुष का। बता दें कि कभी गुत्थी, कभी डॉक्टर मशहूर गुलाटी तो कभी संतोष भाभी बनकर फैंस का मनोरंजन करने वाले सुनील ग्रोवर की राह आसान नहीं थी। शुरुआती समय में सुनील ग्रोवर को काफी मुश्किलों को सामना करना पड़ा। सुनील ग्रोवर की पहली कमाई सिर्फ 500 रुपए थी। इसका खुलासा खुद सुनील ग्रोवर ने किया था।

नव्या का 2 साल बाद हुआ सिद्धांत से ब्रेकअप !

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा भले ही फिल्मी इंडस्ट्री से दूर हो, लेकिन वह हमेश लाइमलाइट में बनी रहती हैं। नव्या का नाम बीते काफी समय से एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी संग जुड़ रहा था। दोनों अक्सर पार्टीज और वेकेशन एंजॉय करते साथ नजर आते थे। सिद्धांत अक्सर नव्या के फैमिली फंक्शन में भी नजर आते थे। हालांकि नव्या और सिद्धांत ने कभी भी अपने रिश्ते को लेकर कुछ नहीं कहा। अब खबर आ रही हैं कि दोनों का ब्रेकअप हो गया है। सिद्धांत चतुर्वेदी और नव्या नवेली नंदा ने कुछ सालों तक सीक्रेटली डेटिंग के बाद अपने-अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। उन्होंने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया। बताया जा रहा है कि ब्रेकअप के बाद भी दोस्त बने रहेंगे। नव्या इन दिनों अपने पालतू डॉग के साथ तस्वीरें शेयर कर रही हैं। ऐसे में कयास लगाया जा रहा है कि नव्या ने खुद को बिजी रखने और खुश रहने का दूसरा तरीका खोज निकाला है। बता दें कि नव्या और सिद्धांत के अफेयर की खबरें तब सामने आई थी जब 2022 में दोनों को ऋषिकेश में वेकेशन मनाते हुए स्पॉटकिया गया था। दोनों ने इस वेकेशन से अपनी कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की थी। भले ही नव्या और सिद्धांत ने अपनी तस्वीर साझा की थी, लेकिन इसमें एक बात समान थी वह थी बालकनी।

बड़े पर्दे पर वापसी के बाद भावुक हुए फरदीन खान

लंबे समय से फिल्मी पर्दे से दूर रहे अभिनेता फरदीन खान ने संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' से वापसी की। उन्होंने अपनी भूमिका से दर्शकों को प्रभावित भी किया। अब अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म 'खेल खेल में' नजर आएंगे। बता दें कि यह फिल्म 14 साल बाद उनकी पहली रिलीज है। बड़े पर्दे पर वापसी के बाद अभिनेता काफी उत्साहित नजर आएं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक भावुक नोट लिखा है। फरदीन ने अपना उत्साह दिखाते हुए पोस्ट में लिखा, 'मैं आप सभी के साथ 'खेल खेल में' का ट्रेलर साझा करते हुए बेहद रोमांचित हूं! यह पल मेरे लिए बेहद खास और बेहद भावनात्मक है, क्योंकि यह 14 साल में मेरी पहली रिलीज है। बड़े पर्दे पर वापसी पुरानी यादों, उत्साह और कृतज्ञता से भरा सफर रहा है।' अभिनेता फरदीन ने 'खेल खेल में' के निर्देशक मुदस्सर अजीज का आभार जताया। उन्होंने साझा किया उनकी आखिरी फिल्म मुदस्सर अजीज निर्देशित 'दूल्हा मिल गया' थी। इसके साथ ही उन्होंने साझा किया कि इस फिल्म के साथ उनकी पुरानी यादें भी ताजा हो गई। उन्होंने कहा कि 'खेल खेल में' का हिस्सा बनकर वह खुद को भाग्यशाली महसूस करते हैं। इस दौरान उन्होंने पूरे क्रू की सराहना की।

लाइफ में हमेशा नंबर वन पर हूं : तापसी

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू इन दिनों अपनी आगामी फिल्म खेल खेल में और फिर आई हसीन दिलरुबा को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। एक महीने में अभिनेत्री की दो फिल्में रिलीज हो रही हैं। तापसी से हाल ही में एक बातचीत में पूछा गया कि क्या उन्हें काम इसलिए नहीं मिला क्योंकि उन्होंने इंडस्ट्री के हिसाब से ढलने के बजाय अपना रास्ता खुद बनाया। इसपर उन्होंने कहा कि उन्हें ज्यादा भुगतान पाने वाली अभिनेत्री नहीं बनना है। अभी जीवन का अंत नहीं है। तापसी पन्नू ने कहा, 'कोई बात नहीं, यह अभी भी जीवन का अंत नहीं है। मुझे लगता है और मैंने हमेशा कहा है कि जीवन बहुत सीमित है। मैं किसी और की तरह नहीं जीना चाहती। मैं खुद की तरह जीना चाहती हूं। ज्यादा से ज्यादा क्या होगा? मैं सबसे ज्यादा भुगतान पाने वाली अभिनेत्री नहीं बनूंगी। मुझे सबसे ज्यादा भुगतान पाने वाली अभिनेत्री नहीं बनना है। अभी मेरा जितना चल रहा है, मेरी किचन उससे चल रही है।' उन्होंने आगे कहा, 'अक्षय सर के एक इंटरव्यू की हेडलाइन पढ़ रही थी, मुझे वह बहुत अच्छी लगी। उन्होंने कहा कि जब मैं ऐसी बातें सुनता हूं, तो मुझे ऐसा लगता है जैसे मैं एक घोड़ा हूं। 'महा लक्ष्मी रेस कोर्स में दौड़ना है।' अभिनेत्री ने कहा, 'मेरी जिंदगी में हमेशा नंबर वन पर हूं, क्योंकि मैं अकेली भाग रही हूं और मैं वही रहूंगी।'

वेतन असमानता पर तब्बू का करारा जवाब

अभिनेत्री तब्बू की नई फिल्म 'औरों में कहां दम था' रिलीज हो गई है। इसमें उनके साथ अजय देवगन भी मुख्य भूमिका अदा कर रहे हैं। तब्बू ने एक हालिया साक्षात्कार में महिला कलाकारों को पुरुष कलाकारों की तुलना में कम पैसे मिलने को लेकर सबसे अलग जवाब दिया, जिसकी काफी चर्चा हो रही है। महिला और पुरुष कलाकारों के बीच वेतन असमानता को लेकर खूब बातें होती है। पिछले कुछ दिनों में तो कई अभिनेत्रियों ने इस मामले पर खुलकर अपनी राय रखी है। इसी सिलसिले में अब तब्बू का नाम भी जुड़ गया है, लेकिन उनका जवाब एकदम हटकर और आंख खोलने वाला रहा। तब्बू हाल ही में, वी आर युवा से बातचीत करते हुए नजर आईं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मीडिया वाले केवल महिला से ही वेतन समानता को लेकर सवाल पूछते हैं। हर पत्रकार यही करता है और पूछता है कि आप जानती हैं पुरुष कलाकारों को महिलाओं से ज्यादा पैसे मिलते हैं। उन्होंने कहा कि मुझसे यह सवाल क्यों पूछते हो? यह उस आदमी से क्यों नहीं पूछते, जो ज्यादा पैसे दे रहा है? तब्बू ने कहा कि वो इस सवाल का जवाब कैसे दे सकती हैं? इस बातचीत में तब्बू ने एक अहम सवाल उठाते हुए कहा कि यह सवाल पुरुष कलाकारों से क्यों नहीं पूछा जाता कि उन्हें ज्यादा पैसे मिल रहे हैं? अगर आप मुझसे से सवाल पूछेंगे तो आपको इससे कुछ नहीं मिलने वाला। अगर पुरुष कलाकार से पूछा जाएगा कि उन्हें ज्यादा फीस क्यों मिल रही है तो वो एक दिलचस्प दृष्टिकोण होगा।

पर्यटन में भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की क्षमताः गजेन्द्र सिंह

ग्रेटर नोएडा में सबसे बड़े हॉस्पिटेलिटी शो का आगाज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एक समारोह में इंडिया इंटरनेशनल हॉस्पिटैलिटी एक्सपो (आईएचई 2024) के 7वें संस्करण का उद्घाटन इंडिया एक्सपो सेंटर और मार्ट में किया। इस शो में प्रमुख तौर से वियतनामी प्रदर्शक अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे साथ ही हिमाचल प्रदेश को भी इस शो में फोकस किया गया है।

हॉस्पिटेलिटी शो के उदघाटन पर केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि आईएचई 2024 का हिस्सा होना हमारे लिए गर्व की बात है। इसने पिछले छह वर्षों में भारत के हॉस्पिटैलिटी उद्योग को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आईएचई वैश्विक मंच भारतीय हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र की क्षमता को उजागर करता है। यह सिर्फ एक प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि हॉस्पिटैलिटी उद्योग का केंद्र है, जो क्षेत्र के पेशेवरों और सहयोगियों को नेटवर्क, विचारों का आदान-प्रदान, ज्ञान साझा करने और अंतरराष्ट्रीय सफलता प्राप्त करने के लिए एक साथ लाता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पर्यटन और आतिथ्य में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्व धरोहर समिति की बैठक सरकार के गठन के 40 दिनों के भीतर ही आयोजित की गई थी, जिसमें 170 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। भारत अब एक आकर्षण के केंद्र के रूप में उभर रहा है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि पर्यटन में भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान देने की पूरी क्षमता है। भारत के पास विश्व स्तरीय पर्यटन क्षेत्र व संसाधन हैं। पर्यटन कृषि क्षेत्र के बाद सबसे बड़ा रोजगार सृजनकर्ता है। हम इस क्षेत्र में विविधता और नए व्यावसायिक अवसर देख रहे हैं। इस क्षेत्र में हो रही प्रगति और विकास में विशेष रूप से अंतराल को पाटने में इस क्षेत्र से जुड़े हर व्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है।

डॉ. राकेश कुमार चेयरमैन, इंडिया एक्सपो सेंटर और मार्ट ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि हम पिछले छह आयोजनों के सफलतापूर्वक आयोजन पर गर्व महसूस करते हैं। अब आईएचई केवल एक प्रदर्शनी नहीं बल्कि हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र को और अधिक प्रतिष्ठित और उल्लेखनीय बनाने की एक बड़ी जिम्मेदारी है। सातवां संस्करण सभी पूर्व निर्धारित और दीर्घकालिक रिकॉर्ड को तोड़ने जा रहा है। हमने वियतनाम के साथ एक साझेदार देश के रूप में सहयोग किया है। आईएचई 2024 में वियतनामी प्रदर्शक अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे, और वियतनामी शेफ अपने देशी व्यंजनों पर मास्टरक्लास आयोजित करेंगे। हिमाचल प्रदेश को %फोकस स्टेट% के रूप में शामिल किया गया है, जिससे हमें इस आयोजन के दौरान हिमाचल प्रदेश को प्रदर्शक के रूप में देखने और राज्य के बारे में और जानने का मौका मिलेगा।

इस कार्यक्रम में म्यांमार के राजदूत, एच.ई. मो क्याव आंग; वियतनाम के दूतावास के मुख्य व्यापार सलाहकार, बुई ट्रंग थुओंग; आकार प्रदर्शनी के निदेशक, प्रेमल मेहता; हिमाचल प्रदेश सरकार की आईएएस निवासी आयुक्त, श्रीमती मीरा मोहंती; टॉप्स इंडिया के निदेशक, भारत कुमार सवर्णी; नूर्नबर्ग मेस की प्रबंध निदेशक, सुश्री सोनिया पाराशर; इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट के चेयरमैन, राकेश कुमार, सीईओ, सुदीप सरकार, आईएचई के अध्यक्ष, हरी दादू, हॉस्पिटैलिटी उद्योग की कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया।

आतिथ्य विरासत को बढ़ावा देगा आईएचई 2024

आईएचई 2024 एक प्रीमियर हॉस्पिटैलिटी एक्सपो के रूप में भारत की आतिथ्य विरासत को बढ़ावा देता है, जो 3 से 6 अगस्त, 2024 तक आयोजित हो रहा है। 1,000 से अधिक प्रदर्शकों और 20,000 से अधिक बी2बी खरीदारों सहित, जिनमें लक्जरी होटल, रिसॉर्ट्स, होमस्टे, रेस्तरां, क्लाउड किचन, और एफ एंड बी सेक्टर शामिल हैं, आईएचई 2024 हॉस्पिटैलिटी उद्योग में नए मानक स्थापित करने के लिए तैयार है। इस साल, एक्सपो के साथ कई प्रमुख कार्यक्रम जैसे कि कैटरिंग एशिया, टेंट डेकोर एशिया, बायोफैक और आयुर्योग एक्सपो भी समायोजित हो रहे हैं, जो हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करते हैं। विभिन्न श्रेणियों में सेवाओं और उत्पादों का व्यापक प्रदर्शन होता है, जिसमें होरेका, संचालन आपूर्ति और उपकरण, हॉस्पिटैलिटी प्रौद्योगिकी, खाद्य और पेय, हाउसकीपिंग और जनरेटोरियल, रखरखाव और इंजीनियरिंग, फर्नीचर, फिक्स्चर, और सुविधाओं का प्रबंधन शामिल हैं।

चार दिवसीय हॉस्पिटैलिटी सोर्सिंग गाला में कुछ रोमांचक पाक प्रतियोगिताएं भी शामिल हैं, जिनमें पैस्ट्रे क्वीन इंडिया प्रतियोगिता, मास्टर बेकर्स चैलेंज इंडिया 2024, इंडिया पिज्जा लीग चैम्पियनशिप शामिल हैं।

संस्कारित युवा ही राष्ट्र का भविष्य : अनिल आर्य

दिल्ली (चेतना मंच)। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में श्रावणी पर्व के उपलक्ष्य

में 15 दिवसीय युवा संस्कार अभियान का शुभारंभ मूर्ति देवी आर्य स्कूल के ब्लॉक जहांगीर पुरी दिल्ली से किया गया। कार्यक्रम में यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवाया और यज्ञोपवित संस्कार करवाया,उन्होंने कहा कि यज्ञ सर्वश्रेष्ठ कर्म है हमें परोपकार की भावना से यज्ञ करना चाहिए साथ ही मातृऋण, पितृऋण, गुरुऋण का महत्व बताया।

मुख्य अतिथि अनिल आर्य (राष्ट्रीय अध्यक्ष,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद) ने कहा कि युवा पीढ़ी को संस्कारित करने के लिए 18 अगस्त तक 50 स्थानों पर युवा संस्कार कार्यक्रम किए जाएंगे। जिसमें यज्ञ के साथ यज्ञोपवीत दिए जायेगा।उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को संस्कार वान बनाना हमारा लक्ष्य है जिससे राष्ट्र की नींव मजबूत हो। उन्होंने कहा कि संस्कारित युवा ही राष्ट्र का भविष्य है।

दिल्ली प्रदेश के महामंत्री अरुण आर्य ने अपनी शुभकामनायें दी और विद्यालय के प्रबंधक गजेंद्र आर्य ने कुशल संचालन किया। प्रमुख रूप से पिंकी आर्य, मंजू आर्य, बबीता आर्य, राम भरोसे आर्य उपस्थिति थे।

'स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी हो खत्म'

नोएडा पंजाबी एकता समिति ने उठाई मांग

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पंजाबी एकता समिति ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी की व्यवस्था को खत्म करने की मांग की है। नोएडा पंजाबी एकता समिति के महासचिव ने यह मांग उठाई है।

नोएडा के प्रमुख सामाजिक संगठन नोएडा पंजाबी एकता समिति के महासचिव नरेंद्र चोपड़ा ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मांग की है कि बजट में संशोधन करते हुए स्वास्थ्य सीमा पर जीएसटी को बिल्कुल खत्म कर देना चाहिए। अगर स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी लगाना है तो केवल 5 प्रतिशत लगाना चाहिए ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग स्वास्थ्य बीमा का लाभ उठा सकें।

नोएडा पंजाबी एकता समिति के महासचिव नरेंद्र चोपड़ा ने कहा है कि भारत में मध्यम वर्ग की जनता के ऊपर अत्याधिक टैक्स की मार पहले से ही पड़ रही है। इसके बाद स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी 18 प्रतिशत लगाना ठीक नहीं है। स्वास्थ्य बीमा पर अधिक जीएसटी होने के कारण मध्यम वर्ग के लोग ज्यादा से ज्यादा स्वास्थ्य बीमा नहीं ले पाते हैं। जिस कारण बीमार पड़ने पर उन्हें अपना इलाज करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

श्री चोपड़ा ने कहा कि आज अस्पतालों में इलाज काफी महंगा हो गया है। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी को या तो बिल्कुल खत्म किया जाए या फिर केवल 5 प्रतिशत जीएसटी लगाकर मध्यम वर्ग को राहत दी जाए।

नोएडा के रिहायशी सेक्टर में शुरू हुआ बेसमेंट का सर्वे

नोएडा (चेतना मंच)। राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर में राव आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में हुए हादसे के बाद नोएडा प्राधिकरण भी सतर्क हो गया है। नोएडा प्राधिकरण द्वारा अब रिहायशी सेक्टर में भी बने बेसमेंट का सर्वे शुरू कर दिया गया है। प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि अगर बेसमेंट के निर्माण में किसी तरह का नियम तोड़ा गया है तो सख्त एक्शन लिया जाएगा।

आपको बता दें कि दिल्ली के ओल्ड राजेंद्रनगर में राव आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में बरसात का पानी भर जाने के कारण तीन छात्रों की मौत हो गई थी। यह तीनों छात्र यूपीएससी की कोचिंग कर रहे थे। इसके बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी नोएडा और गाजियाबाद सहित

प्रदेश के सभी शहरों में बेसमेंट के निरीक्षण तथा उनमें चल रही गतिविधियों का सर्वे करने का आदेश अधिकारियों को दिया था।

मुख्यमंत्री के आदेश के बाद नोएडा, ग्रेटर नोएडा में कोचिंग सेंटरों की जांच की गई और जिन कोचिंग सेंटरों के बेसमेंट में क्लासेस, ऑफिस या लाइब्रेरी चल रही थी उन्हें सील किया गया। अब नोएडा प्राधिकरण ने नोएडा के रिहायशी सेक्टरों में बने बेसमेंट का भी सर्वे भी शुरू कर दिया है। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. लोकेश एम के निर्देश पर नोएडा के सभी सेक्टर में बने बेसमेंट का सर्वे प्राधिकरण की टीम द्वारा किया जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण की टीम ने शनिवार को सेक्टर-51 में बने बेसमेंट का सर्वे किया तथा वहां चल रही गतिविधियों के बारे में रिपोर्ट तैयार की। प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि अगर बेसमेंट के निर्माण में किसी तरह के नियम तोड़े गए हैं तो ऐसे मकान मालिकों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए के महासचिव संजीव कुमार ने बताया कि प्राधिकरण की सर्वे टीम ने सेक्टर में बने बेसमेंट का निरीक्षण किया है तथा अपनी रिपोर्ट तैयार की है।

पाँचवी, आठवीं व दसवीं पास चोर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से बना लेते थे 5 मिनट में डुप्लीकेट चाबी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पुलिस कमिश्नरेट के थाना सेक्टर-113 पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने चार पहिया वाहन चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के एक सदस्य को गिरफ़्तार किया है जो चोरी की गाड़ियां खरीदकर पंजाब, हरियाणा, नॉर्थ ईस्ट में बेंच देता था। वाहन चोरों ने पूछताछ में चोरी करने के तरीक़े का खुलासा किया है। गिरफ़्तार आरोपी पर पूर्व में कई धाराओं में मुक़दमा दर्ज है।

थाना सेक्टर-113 पुलिस ने गिरफ्तार किये गये 3 वाहन चोरों से पूछताछ में पता चला कि वह ऑनलाइन एक KEY PROGRAMME PAD मँगवाते थे जिससे चार पहिया वाहन में लगे ECM मशीन को रिप्रोग्राम करके नया KEY मोड जनरेट करते थे। जिसके बाद गाड़ी की डुप्लीकेट चाबी बनाकर गाड़ी को अपने कंट्रोल में ले लेते थे। गाड़ी चोरी करने में इस्तेमाल आने वाले सभी उपकरण इनके पास रहते थे। यह मात्र 15 मिनट में वाहन चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। वाहन चोरों से पूछताछ में पता चला कि वह गाड़ी की असली नंबर प्लेट को हटाकर उस पर नक़ली नंबर प्लेट चढ़ा देते थे। गाड़ी के फर्जी कागज़ बनाकर दूसरे प्रदेश में गाड़ी को बेचने के लिए जाते थे। चोरों ने बताया कि चोरी की गाड़ियों के ख़रीदार पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, चेन्नई व नार्थ ईस्ट प्रदेशों के होते है।

नोएडा के थाना सेक्टर-113 पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछताछ में एफएनजी रोड के पास बिसरख़ पुल के नीचे खड़े 5 चोरी की गाड़ियों को भी बरामद किया गया। इससे पहले पूर्व में भी चोरों के पास से चोरी की 10 लक्ज़री गाड़ियाँ बरामद की गई थी। साथ ही गिरोह के एक सदस्य को भी गिरफ़्तार किया गया है। पकड़े गये आरोपी का नाम अन्नू उर्फ़ हेमराज है। पूछताछ में अन्नू ने बताया कि उसे इनकी गिरफ़्तारी के बारे में मालूम नहीं था। वह वहाँ पर इन्ही का इंतज़ार कर रहा था। वाहन चोरों द्वारा चोरी की गई गाड़ियाँ यह ही ख़रीदता था और मौका पाकर दूसरे राज्यों में बेंच देता था।

पुलिस द्वारा पकड़े गए गिरोह में खलील पुत्र शरीक निवासी मुरादाबाद, मोनू कुमार पुत्र शिवलाल निवासी संभल तथा सोनू पुत्र सुघड निवासी हरियाणा है। तीन 5, 8 व 10वीं पास हैं व मैकेनिक का काम जानते हैं।